सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की

मूल्य ₹ 3/-

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 10 ● अंक: 353 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शुक्रवार, 31 जनवरी, 2025

प्रत्येक व्यक्ति को अपने आचरण का परिणाम धैर्यपूर्वक सहना चाहिए।
–विलियम शेक्सपीयर

इंग्लैंड से 5वीं टी-20 सीरीज जीतने... 7 | दिल्ली चुनाव प्रचार में केजरीवाल... 3 | आप का सुशासन भाजपा के कुशासन... 2

कुंभ पर झूठ बोल रही है सरकार!

भगदड़ एक नहीं दो जगह मची, तीस घंटे बाद भी पोस्टमार्टम के लिये आ रहीं हैं लाशें

» हादसे के बाद दर्दनाक हुए हालात, घंटों बाद मिले साथी

» विपक्ष व संतों ने भी उठाए सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। जिस महाकुंभ के लिए योगी सरकार का पूरा तंत्र भव्य होने की बात कर रहा था उसके अव्यवस्था को पूरी दुनिया ने मौनी अमावस्या के दिन देखा जिसमें संगम क्षेत्र में हुए भगदड़ ने लगभग साठ लोगों की जान ले ली। सबसे बडें दुख की बात तो यह रही कि इस घटना की जानकारी सरकार ने 17 घंटे बाद दी तो वो भी पूरे सच के साथ नहीं।

जिस तरह के वीडियो आर रहे हैं उसमें भगदड़ एक नहीं दो जगह हुई थी। इस तरह के वीडियो आने के बाद विपक्ष व साधु संतो ने योगी सरकार पर झूठ बोलने का आरोप लगाया है। सपा नेता अखिलेश यादव, कर्नाटक के राजस्व मंत्री व पीठाधीश्वर स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने भी यूपी के सीएम योगी पर हमला बोला है।

इतना प्रचार किया तो कहां गया इंतजाम : अखिलेश

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने योगी सरकार पर जोरदार प्रहार किया है। उन्होंने कहा कि प्रयागराज में लोग अभी फंसे हैं। सरकार उनके लिए सड़कों पर उनका इंतजाम करें। उन्होंने योगी पर हमला करते हुए कहा कि जब आपने प्रचार इतना किया तो इंतजाम क्या किया? अब तो साधु संत भी कहने लगे हैं कि आप झूठे हैं। सरकार हर बात छुपा रही है। सरकार ने जब निमंत्रण दिया है, तो सरकार की तैयारी क्या थी? यह सरकार की गलती बजट की बात तो बाद में होगी। यह सत्र और आज का दिन, कुंभ में जिनकी जान गई है उनकी शांति के लिए बात रखी जाएगी।

4PM के वीडियो से हुआ बड़ा खुलासा

सबसे पहले 4PM ने बताया था शवों का आंकड़ा

बुधवार की भोर में यह हादसा हुआ। उसके बाद योगी सरकार ने इसकों छिपाने की कोशिश शुरू कर दी थी। बता दें भगदड़ के बाद सीएम योगी ने बयान में कहा था कि कोई मौत नहीं हुई, कुछ लोग घायल हैं उनका इलाज किया जा रहा है। पर कुंभ क्षेत्र में मौजूद 4पीएम ने जीरो ग्राउंड से लाइव किया। रात्रि में स्टिंग करके पोस्टमार्टम हाउस में लाशों को दिखाया। 4पीएम पर प्रसारण होने के बाद मुख्यमंत्री ने कहा 30 लोगों की मौतें हुई हैं। 4पीएम ने 30 जनवरी को दूसरा स्टिंग भी किया जिसमें और शवों को मर्चरी में आते हुए दिखाया गया।

योगी एक झूठे मुख्यमंत्री : अविमुक्तेश्वरानंद

ज्योतिषपीठ बद्रीनास्वामी के पीठाधीश अविमुक्तेश्वरानंद ने महाकुंभ में भगदड़ में मारे गए श्रद्धालुओं को श्रद्धाजंलि दी है। उन्होंने इस घटना के बाद योगी सरकार पर जमकर हमला बोला है उन्होंने कहा कि इस दर्दनाक हादसे में सैकड़ों लोगों की जान चली गई पर मुख्यमंत्री योगी मानने को तैयार नही हैं। उनके बयान से ऐसा लग रहा है कि कोई धटना नहीं घटी। वह झूठे व्यक्ति हैं। पीठाधीश ने कहा कि वे खुद एक संत है उन्हे ऐसा नही करना चाहिए था।

अब संगम तट तक पहुंचना मुश्किल

मुंबई निवासी गिरीश व श्रीकांत प्रयागराज से लौटकर रामलला के दर्शन करने पहुंचे थे। बताया कि पांच बजे फ्लाइट है। रामलला के दर्शन करने में समय लगेगा, अयोध्या की धरती को प्रणाम कर ही वापस जा रहे हैं। बताया कि वे 29 की सुबह 5:30 बजे प्रयागराज पहुंचे। गंगाघाट तक आराम से पहुंच गए थे, लेकिन संगम तट तक इस समय पहुंचना मुश्किल है। संगम की ओर जाने वाले सारे रास्ते बंद कर दिए गए हैं। पुल नंबर 18 से गंगा तट पहुंचे लेकिन निकासी पुल नंबर 19 से हुई। पार्किंग तक पहुंचने के लिए करीब 25 किलोमीटर पैदल चलना पड़ा।

प्रयाग से लौटे लोगों ने बयां किया मंजर

महाकुंभ में भगदड़ के बाद जो लोग सीधे प्रभावित नहीं हुए उनके लिए भी कुछ घंटे बेहद दर्दनाक रहे। ग्रुपों में नहाने गए लोग आपस में बिछड़ गए जो कई घंटों के बाद मिले। महाकुंभ से लौटकर अयोध्या दर्शन करने पहुंचे श्रद्धालुओं ने प्रयागराज के हालात की जानकारी दी। बहुत सारे लोग बिना स्नान किए ही लौट आए। जो स्नान कर पाए उन्हें अपने गंतव्य तक पहुंचने के लिए जूझना पड़ा। कुछ श्रद्धालु ट्रेन में ही 10 से 11 घंटे तक फंसे रहे, क्योंकि ट्रेन विलंब से आ रही है। वहीं श्रद्धालुओं को 25 किलोमीटर तक पैदल चलने को विवश होना पड़ा।बिहार के छपरा निवासी उत्तम सिंह ने बताया कि वे ट्रेन में करीब 11 घंटे फंसे रहे। भगदड़ की वजह से कुछ ट्रेनों को डायवर्ट कर दिया गया है, जिससे ट्रेनें विलंब से पहुंच रही हैं। वे जिस ट्रेन में थे वह 11 घंटे विलंब से पहुंची थी। ट्रेन में लंबे समय तक फंसे रहने से घबराहट हो गई थी। मेला क्षेत्र में पहुंचे तो स्थिति सामान्य थी, लेकिन संगम तट की ओर नहीं जाने दिया जा रहा था। दिल्ली निवासी कौशल तो बिना स्नान किए ही वापस लौट आए। बताया कि जिस समय भगदड़ हुई हम लोग एक कैंप में रुके हुए थे। भगदड़ की बाद स्थिति बिगड़ गई। मौनी अमावस्या पर इतनी भीड़ थी कि पैदल चलना भी मुश्किल था, हमारी हिम्मत नहीं हुई, बिना स्नान किए ही लौट आए हैं।गोंडा निवासी विजय मिश्र बोले कि ट्रेन देर से मिल रही है। काफी दूरी तक पैदल चलना पड़ रहा है। कानपुर से आए अंकित ने बताया कि वीआईपी प्रोटोकाल के चलते भगदड़ जैसे हालात बने। लोग बेरिकेडिंग पार कर कूदने लगे थे, जिससे स्थिति अनियंत्रित हो गई। हालांकि जल्द ही स्थिति को नियंत्रित कर लिया गया, फिलहाल अभी हालात ठीक हैं।

प्रमुख स्नान के दिनों में वीवीआईपी की आवाजाही प्रतिबंधित

योगी सरकार ने घोषणा की कि प्रमुख स्नान के दिनों में वीवीआईपी की आवाजाही प्रतिबंधित रहेगी। बसंत पंचमी, माघ पूर्णिमा और महाशिवरात्रि के दौरान प्रयागराज आने की योजना बनाने वाले सभी वीआईपी और वीवीआईपी प्रतिनिधिमंडलों को विशेष विशेषाधिकार नहीं मिलेंगे, साथ ही इन त्योहारों से एक दिन पहले और बाद में भी।

आप का सुशासन भाजपा के कुशासन को हराने का काम करेगा : अखिलेश

» बोले- दिल्ली में भाजपा सभी 70 सीटें हार सकती है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। दिल्ली विधान सभा चुनाव में समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने आप संयोजक केजरीवाल के साथ मिलकर ताबड़तोड़ रोड शो किया। इस दौरान उन्होंने जमकर भाजपा पा हमला बोला। किराड़ी विधानसभा क्षेत्र में रोड शो के दौरान सपा प्रमुख ने कहा कि इस बार हो सकता है कि दिल्ली में भाजपा सभी 70 सीटें हार जाए। मैं कह सकता हूं कि दिल्ली में एक बार फिर बनेगी आप की सरकार, आप का सुशासन भाजपा के कुशासन को हराने का काम करेगा।

आप के सभी काम ऐतिहासिक हैं। आप द्वारा लिए गए तमाम फैसले दिल्ली की गरीब और आम जनता को लाभ पहुंचाने के काम कर रहे हैं। दिल्ली की जनता जानती है कि यदि आप रहेगी तो उन्हें सभी सुविधाएं मिलती रहेंगी। आप की सरकार एक बार फिर दिल्ली में बनने जा रही है।

महाकुंभ हादसे के पीड़ितों की मुआवजा राशि बढ़ाए सरकार : डिंपल

यूपी के अयोध्या में मिल्कीपुर सीट पर होने वाले उपचुनाव को लेकर सियासत गर्म है। इसी कड़ी में समाजवादी पार्टी की स्टार प्रचारक सांसद डिंपल यादव रोड शो करने अयोध्या पहुंची। उन्होंने महर्षि वाल्मीकि एयरपोर्ट पर उतरकर मीडिया से बातचीत की। इस मौके पर सांसद डिंपल यादव ने कहा कि मिल्कीपुर चुनाव में समाजवादी पार्टी के पक्ष में माहौल है। हम वहां पर भारी मतों के अंतर से जीत दर्ज करेंगे। प्रयागराज महाकुंभ हादसे पर कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है। हमारी संवेदना उन परिवारों के साथ है, जिन्होंने अपनों को खोया है। ईश्वर से प्रार्थना है कि जो घायल हैं वे जल्द स्वस्थ हों। उन्होंने प्रदेश की योगी सरकार से कहा कि मुआवजे की राशि बढ़ाई जाए। जिनकी मौत हुई है, उनके शव परिजनों को जल्द सौंप दिए जाएं। इसके पहले एयरपोर्ट पहुंचने पर सपा सांसद का पूर्व मंत्री पवन पांडेय, जिलाध्यक्ष पारसनाथ यादव और सांसद अवधेश प्रसाद के नेतृत्व में बड़ी संख्या में सपा कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया। सपा सांसद एयरपोर्ट से रोड शो के लिए मिल्कीपुर रवाना हो गईं।

सपा के रोड शो को लेकर मुकदमा दर्ज

अयोध्या की मिल्कीपुर विधानसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव के लिए सपा सांसद डिंपल यादव ने रोड शो किया था। इसे लेकर अज्ञात सपा कार्यकर्ताओं के खिलाफ थाना इनायतनगर में मुकदमा दर्ज किया गया है। मुकदमा सब इंस्पेक्टर आलोक कुमार सिंह की तहरीर पर दर्ज किया गया है। मामले में सरकारी आदेश के उल्लंघन का मुकदमा दर्ज किया गया है। कहा गया है कि रोड शो के दौरान परमिशन से अधिक वाहनों का प्रयोग किया गया।रोड शो के दौरान रायबरेली हाईवे की दोनों लेन को जाम किया गया था। डिंपल का रोड शो कुमारगंज से मिल्कीपुर तक निकाला गया था। रोड शो में भारी भीड़ उमड़ी थी।

हरियाणा : अपनी ही सरकार पर बरसे मंत्री अनिल विज

» बोले- सरकार के खिलाफ डल्लेवाल की तर्ज पर करूंगा अनशन, जनता की आवाज को नहीं सुन रहे अधिकारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अंबाला (हरियाणा)। हरियाणा के कैबिनेट मंत्री अनिल विज ने एक बड़ा बयान देते हुए कहा कि वह अब ग्रीवेंसिस कमेटी की बैठक में शामिल नहीं होंगे, क्योंकि उनके आदेशों की अनुपालना नहीं की जाती। उन्होंने नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि अगर जरूरत पड़ी तो वह अंबाला के लोगों के लिए डल्लेवाल की तर्ज पर आमरण अनशन करने से भी पीछे नहीं हटेंगे।

अनिल विज ने कहा कि वह अंबाला कैंट की जनता की समस्याओं के समाधान के लिए जनता कैंप लगाते थे, लेकिन अब उन्होंने इन्हें भी बंद करने का फैसला किया है। उनका कहना है कि जब आदेशों का पालन ही नहीं हो रहा है, तो इन बैठकों या कैंपों का कोई औचित्य नहीं रह जाता।

कैबिनेट मंत्री विज ने कहा कि अधिकारियों की उदासीनता के कारण जनता की समस्याओं का समाधान नहीं हो पा रहा है। उन्होंने दो टूक शब्दों में कहा कि अगर जनता की आवाज अनसुनी की गई, तो वह आमरण अनशन करने से भी पीछे नहीं हटेंगे।

गरीब विरोधी राजनीति चिंता की बात : मायावती

» बोलीं- बसपा ही सच्ची अम्बेडकरवादी पार्टी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की प्रमुख मायावती ने बढ़ती गरीब विरोधी, पूंजीवादी राजनीति और जातिगत व सांप्रदायिक द्वेष पर चिंता व्यक्त की। उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने दिल्ली में पार्टी नेताओं की अखिल भारतीय बैठक को संबोधित करते हुए यह टिप्पणी की थी। पार्टी द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, बसपा सुप्रीमो ने पार्टी सदस्यों से बहुजन के लिए लड़ने का आह्वान किया।

'बहुजन' मुख्य रूप से अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों, अन्य पिछड़ा वर्गों और अल्पसंख्यकों को संदर्भित करता है। मायावती ने कहा कि बसपा की लड़ाई बहुजन समुदायों का शासन सुनिश्चित करने के लिए है, ताकि गरीब, दलित, आदिवासी, ओबीसी, मुस्लिम और अन्य धार्मिक अल्पसंख्यक सम्मानजनक जीवन जी सकें। उन्होंने पार्टी सदस्यों से संगठन को मजबूत करने और सभी समुदायों में पार्टी का जनाधार बढ़ाने का आह्वान किया।

उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि युवाओं को इस आंदोलन में शामिल करने की जरूरत है। उन्होंने कहा, बसपा एक कैडर आधारित पार्टी है, कांग्रेस और भाजपा से अलग। उन्होंने कहा कि भारतीय राजनीति में अमीर-समर्थक, गरीब-विरोधी दलों के बढ़ते प्रभाव के कारण गरीबों, दलितों, आदिवासियों और अन्य पिछड़े वर्गों के लोगों के आरक्षण जैसे कानूनी अधिकार छिनने का खतरा पैदा हो गया है तथा वे और अधिक वंचित हो गए हैं। बसपा को एकमात्र सच्ची आंबेडकरवादी पार्टी बताते हुए उन्होंने भाजपा, कांग्रेस और समाजवादी पार्टी पर कमजोर सामाजिक समूहों के मुद्दों पर दोहरी नीति अपनाने का आरोप लगाया।

मप्र भ्रष्ट राज्यों में सबसे आगे : पटवारी

पीसीसी चीफ बोले- अब सौरभ शर्मा आ गए तो डायरी कहां है? मामले में कोर्ट जाएगी कांग्रेस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने आरोप लगाते हुए कहा है कि सर्च करें तो सबसे भ्रष्ट राज्य में मध्य प्रदेश का नाम आता है। पीसीसी चीफ ने कहा कि जांच एजेंसी बेहतर तरीके से केस को हैंडल करे। अब सौरभ शर्मा आ गए तो डायरी कहां है? डायरी का अस्तित्व खतरे में है। इस मामले में हम कोर्ट जाएंगे, इस केस पर हमारी नजर है। सोना और नगदी से तीनों आरोपियों ने मना कर दिया तो यह किसका है? यह पूरा घपला 20 हजार करोड़ का है, 2 हजार करोड़ का हिसाब डायरी में है।

एमपी के 10 विभागों की जांच हो जाए तो 2 लाख करोड़ का गबन सामने आ जाएगा। सौरभ शर्मा खुद सामने आया, एजेंसी उन्हें नहीं पकड़ पाई। हमने कहा था, सौरभ शर्मा की जान को खतरा है।यही बात उसने भी कही। पटवारी ने कहा कि मप्र पर कर्ज बढ़ता जा रहा है मंहगाई ब? रही है सरकार कर्ज लेती जा रही है और सारी योजनाएं सरकार बंद करती जा रही है। मोहन यादव का पूरा मंत्रिमंडल करप्शन की भेंट चढ़ गया। सारे लोग लूटने में लगे हैं।

सही जांच हो तो एक भी मंत्री मंत्रालय नहीं जा पाएगा

जीतू पटवारी ने कहा कि सौरभ शर्मा को बस 3 सिपाही इधर से उधर घुमा रहे हैं। सही तरीके से जांच हो तो एक भी मंत्री मंत्रालय नहीं जा पाएगा सभी जेल जाएंगे। उन्होंने चैलेंज करते हुए कहा कि कोई भी मध्य प्रदेश में बिना भ्रष्टाचार के किसी भी विभाग से काम कराकर ला दे मैं उनका अभिनंदन करूंगा। एमपी में भ्रष्टाचार 5वीं मंजिल पर है। सीएम ऑफिस से लेकर तहसील तक भ्रष्टाचार है।

अफसरों के तबादलों में तोड़ा शिवराज का रिकॉर्ड

जीतू पटवारी ने कहा कि करप्शन पांचवीं मंजिल से आता है। मोहन जी ने शिवराज जी का रिकॉर्ड तोड़ा। तबादलों में शिवराज जी के पांच कार्यकाल का रिकॉर्ड तोड़ा। बार बार तबादले क्यों किए जाते हैं। या तो ऑफिस बेचे जाते हैं। या फिर अपरिपक्व लोगों को अपॉइन्ट किया जाता है। दोनों बातें हुई। एक ही अधिकारी के दस बार ट्रांसफर हो जाते हैं। यानि जो व्यक्ति बैठा है वो तरीके से डील नहीं कर रहा।

हरिद्वार जा रहे खानपुर विधायक उमेश कुमार को पुलिस ने रोका

» भारी पुलिस फोर्स की मौजूदगी में कोतवाली लाया गया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

ऋषिकेश। हरिद्वार जा रहे खानपुर के निर्दलीय विधायक उमेश कुमार को पुलिस ने डोईवाला के पास रोक लिया। उमेश कुमार को पुलिस ने टोल टैक्स लच्छीवाला पर रोक कोतवाली लेकर आ गए। इस दौरान भारी पुलिस फोर्स मौजूद रहा।

विधायक उमेश कुमार की पत्नी ने बताया कि वह शांतिपूर्वक बैठक में भाग लेने जा रहे थे, लेकिन पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया। बता दें, बीते रविवार को चैंपियन और उनके समर्थक बड़ी संख्या में उमेश कुमार के कार्यालय पर पहुंचे और जमकर तोड़फोड़ करते हुए समर्थकों से मारपीट कर दी थी। इस दौरान ताबड़तोड़ फायरिंग भी की गई है। कुछ देर बाद विधायक उमेश कुमार भी वहां पहुंच गए। वह भी बंदूक लेकर भागे और हंगामा कर दिया। जिसके बाद समर्थकों ने उन्हें संभाला। सूचना मिलते ही भारी पुलिस बल मौके पर पहुंचा और घटना की जानकारी ली।

दिल्ली चुनाव प्रचार में केजरीवाल पर चौतरफा वार

आप संयोजक की सक्रियता से घबराए सियासी दल

मोदी, राहुल, शाह, योगी, फडणवीस, जैसे दिग्गज प्रचार में जुटे

» कांग्रेस व भाजपा ने दिल्ली के पूर्व सीएम को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली में मतदान 5 फरवरी को होने हैं। चुनावी वार-पलटवार में और तेजी आ गई है। सबसे ज्यादा हमले आप के संयोजक अरविंद केजरीवाल पर हो रहे हैं। कांग्रेस, भाजपा से लेकर अन्ना हजारे के निशाने पर आग गए हैं दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री। यमुना की पानी को लेकर वह पीएम मोदी के आलोचना के शिकार बने।

कांग्रेस तो आप सरकार से इतना नाराज हैं कि उसने पंजाब सरकार पर करारा हमला बोला है। कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि मेड इन ऑस्ट्रेलियाई ग्रेनेड का इस्तेमाल 2001 के संसद हमले और 2008 के मुंबई हमलों में किया गया था। रंधावा ने कहा कि उन्होंने गृह मंत्री को पत्र लिखकर इस मामले पर तत्काल ध्यान देने का आग्रह किया है। केजरीवाल दिल्ली मॉडल को पंजाब में और पंजाब मॉडल को यहां दिल्ली में लागू करने का वादा करते हैं। रंधावा ने आप सरकार पर कथित ग्रेनेड हमलों पर ध्यान नहीं देने का आरोप लगाते हुए कहा कि उनका मॉडल कुछ और नहीं बल्कि देश को नष्ट करने का मॉडल है।

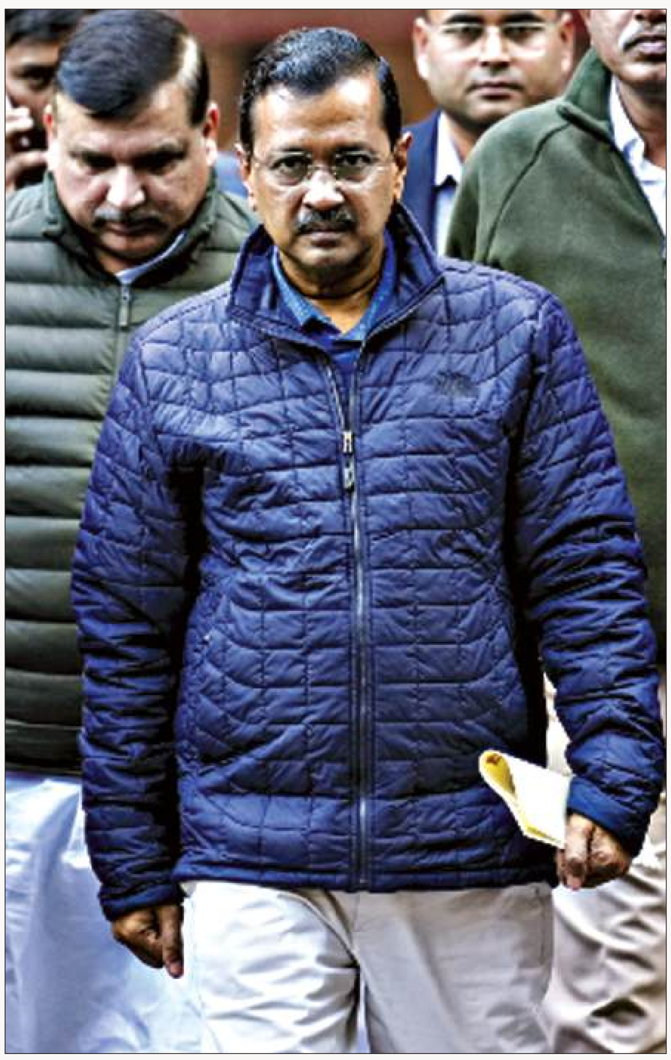

चुनाव के दिन दिल्ली के सभी 700 बाजारों में होगी छुट्टी

दिल्ली में पांच फरवरी को विधानसभा चुनाव के लिए मतदान होने है। इस मतदान में दिल्ली के सभी बाजार भी बंद रहने वाले है। दिल्ली में मतदान से पहले व्यापारियों के संगठन चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री (सीटीआई) ने बड़ा फैसला किया है। इस दिन सीटीआई ने अपील की है कि व्यापारी और सभी संगठन पांच फरवरी को अपनी दुकानें बंद रखें। चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री के अध्यक्ष बृजेश गोयल और अध्यक्ष सुभाष खंडेलवाल ने बताया है कि पांच फरवरी को विधानसभा चुनाव होने वाले है। इन चुनावों को देखते हुए दिल्ली के सभी 700 बाजार बंद रहने वाले है। इस दौरान औद्योगिक क्षेत्रों में छुट्टी का ऐलान किया गया है। बृजेश गोयल का कहना है कि कुछ खुदरा क्षेत्र के दुकानदार वोट डालने के बाद शाम को दुकान खोलते है। कुछ कारणों से अगर दुकान खोलनी पड़े तो कर्मचारियों को वेतन सहित अवकाश दें। सीटीआई ने व्यापारियों को कहा कि किसी कर्मचारी या स्टाफ का वेतन नहीं काटना चाहिए।

कर्मचारियों की भी नहीं कटेगी सैलरी

स्वाति मालीवाल ने भी आप नेता के खिलाफ खोला मोर्चा

राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल ने आम आदमी पार्टी के संयोजक और दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल के घर के बाहर 3 गाड़ियों में कूड़ा भरकर फेंक दिया। आप संयोजक अरविंद केजरीवाल के घर के बाहर कूड़ा फैलाने के बाद राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल को पुलिस ने हिरासत में ले लिया। मालीवाल और उनके सहयोगियों ने विकासपुरी में सड़कों से कचरा उठाया, इसे तीन मिनी ट्रकों में इकट्ठा किया और फिरोजशाह रोड पर केजरीवाल के घर पहुंचे। महिला पुलिसकर्मियों द्वारा रोके जाने और साइट से हटने से पहले उसने फावड़ा भरकर कूड़ा जमीन पर फेंक दिया। राज्यसभा सांसद ने एक वीडियो साझा किया जिसमें उन्हें केजरीवाल के 5 फिरोजशाह रोड स्थित आवास के बाहर कचरा फेंकते देखा जा सकता है। मालीवाल अपने समर्थकों के साथ मौजूद थीं, जिन्होंने हाथों में तख्तियां ले रखी थीं, जिन पर लिखा था, मुस्कुराइये, आप दिल्ली में हैं।

कुछ ही समय बाद, मालीवाल को कई पुलिस कर्मियों ने हिरासत में ले लिया और एक पुलिस स्टेशन ले जाया गया। हिरासत में लिए जाने के दौरान उन्होंने कहा कि पूरा शहर कूड़ेदान में तब्दील हो गया है, मैं यहां अरविंद केजरीवाल से बातचीत करने आई हूं, मैं उनसे कहूंगी कि सुधर जाओ वरना जनता सुधार देगी, मैं न तो उनके गुंडों से डरती हूं और न ही उनकी पुलिस से। एक पोस्ट में उन्होंने कहा था कि विकासपुरी में सड़कों पर सालों से कूड़े के ढेर लगे हैं लोग बहुत गुस्से में हैं, वे यह सारा कूड़ा इकट्ठा करके केजरीवाल के घर पर फेंकने जा रहे हैं। इस बीच, घटना के बाद केजरीवाल के आवास के बाहर सुरक्षा बढ़ा दी गई है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि हमने कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए बैरिकेड्स लगाए हैं और अतिरिक्त कर्मियों को तैनात किया है। किसी को भी कानून का उल्लंघन करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

अन्ना का नाम लेकर फडणवीस ने केजरीवाल को घेरा

भाजपा उम्मीदवार विजेंद्र गुप्ता के लिए प्रचार करते हुए फडणवीस ने कहा, ''केजरीवाल को अन्ना हजारे से बेहतर कौन जान सकता है? मैं यहां आने से पहले अन्ना हजारे से मिल चुका हूं। उन्होंने मुझसे कहा कि केजरीवाल इस दुनिया के सबसे बेईमान व्यक्ति हैं।जमानत पर बाहर घूम रहे दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल यह समझ रहे हैं कि इस बार विधानसभा चुनाव जीतना उनके लिए बेहद मुश्किल है इसलिए वह हर तरह के लोक लुभावन वादे तो जनता से कर ही रहे हैं साथ ही भ्रम और अफवाह भी फैला रहे हैं। इसी क्रम में उन्होंने अपने गृह राज्य हरियाणा पर आरोप लगा दिया कि वहां से यमुना में जहर मिलाया जा रहा है। इस आरोप को लेकर केजरीवाल के खिलाफ थाने में शिकायत दर्ज

कराई गयी और चुनाव आयोग को भी शिकायत दी गयी। हरियाणा की जनता ने केजरीवाल के खिलाफ प्रदर्शन किया। हरियाणा के मुख्यमंत्री ने यमुना का जल पीकर दिखाया लेकिन केजरीवाल ने माफी नहीं मांगी। अब चुनाव आयोग ने इस मुद्दे पर कड़ा रुख अख्तियार करते हुए केजरीवाल को एक पत्र लिख कर कहा है कि वह यमुना में अमोनिया की मात्रा बढ़ने के मुद्दे को नदी को जहरीला बनाने के आरोपों के साथ नहीं जोड़ें। निर्वाचन आयोग ने केजरीवाल से यह बताने को कहा है कि नदी के पानी को जहरीला बनाने के उनके उस आरोप पर कार्रवाई क्यों नहीं की जाए, जिससे विभिन्न समूहों के बीच वैमनस्य बढ़ सकता है। वैसे चुनाव आयोग या अन्य संस्थाएं केजरीवाल को कितनी भी सीख या चेतावनी दे दें वह अपने आरोप लगाओ और भाग जाओ वाले रुख से शायद ही विचलित हों। हम आपको याद दिला दें कि केजरीवाल ने 2011 में सामाजिक कार्यकर्ता अन्ना हजारे के साथ भ्रष्टाचार रोधी आंदोलन किया था और देखते ही देखते वह प्रसिद्ध हो गए थे। बाद में केजरीवाल और अन्ना हजारे के रास्ते अलग हो गए थे।

आप का शासन मॉडल को देश को नष्ट करने वाला : माकन

कांग्रेस ने आरोप लगाया कि आप शासित पंजाब में खालिस्तानी भावनाएं और कट्टरवाद बढ़ रहा है। इसके साथ ही कांग्रेस ने आप के शासन मॉडल को देश को नष्ट करने सरीखा बताया। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के कोषाध्यक्ष और सांसद अजय माकन, पंजाब के पूर्व उपमुख्यमंत्री और पूर्व गृह मंत्री सुखजिंदर सिंह रंधावा ने दावा किया कि पूरे पंजाब में 11 ग्रेनेड हमले हुए हैं, लेकिन सरकार ने कोई कार्रवाई नहीं की है। सरकार और घटनाओं पर मीडिया का कोई ध्यान नहीं जा रहा है। कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया

कि मेड इन ऑस्ट्रेलियाई ग्रेनेड का इस्तेमाल 2001 के संसद हमले और 2008 के मुंबई हमलों में किया गया था। रंधावा ने कहा कि उन्होंने गृह मंत्री को पत्र लिखकर इस मामले पर तत्काल ध्यान देने का आग्रह किया है। केजरीवाल दिल्ली मॉडल को पंजाब में और पंजाब मॉडल को यहां दिल्ली में लागू करने का वादा करते हैं। रंधावा ने आप सरकार पर कथित ग्रेनेड हमलों पर ध्यान नहीं देने का आरोप लगाते हुए कहा कि उनका मॉडल कुछ और नहीं बल्कि देश को नष्ट करने का मॉडल है। कांग्रेस ने कहा कि हमारे मुख्यमंत्री (भगवंत मान का जिक्र करते हुए) कायर हैं। वह खालिस्तानियों के खिलाफ नहीं बोल सकते और उनके खिलाफ कार्रवाई नहीं कर सकते। केजरीवाल को इन मुद्दों पर जवाब देना चाहिए। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान, कांग्रेस ने आप की पाप की कैदी शीर्षक से एक पावरप्वाइंट भी दिखाया, जिसमें पंजाब के पूर्व पुलिस महानिदेशक केपीएस गिल के बयान शामिल थे।

आप के झूठ से ऊबी दिल्ली : अनुराग ठाकुर

इस बार दिल्ली में दो तिहाई बहुमत से भाजपा की सरकार बनने जा रही है। दिल्ली के लोग आम आदमी पार्टी (आप) के झूठ से ऊब गए हैं। अपनी नाकामी छिपाने के लिए आप संयोजक अरविंद केजरीवाल किसी भी हद तक जा सकते हैं। ये बातें पूर्व केंद्रीय मंत्री व वरिष्ठ भाजपा नेता अनुराग ठाकुर ने बुधवार को अमर उजाला दफ्तर में कहीं। वे दिल्ली चुनाव पर बातचीत के लिए मौजूद थे ।कोई व्यक्ति इतना कैसे गिर सकता है। जिस धरती पर उनका जन्म हुआ, उसी धरती को अपमानित किया। यमुना दिल्ली में

प्रवेश से पहले स्वच्छ दिखाई देती है। लेकिन, यहां आते ही गंदे नाले में तब्दील हो जाती है। केजरीवाल ने पांच साल पहले कहा था कि वह यमुना में डुबकी लगाएंगे और इसे साफ करके दिखाएंगे। लेकिन, हजारों करोड़ रुपये का घोटाला किया और यमुना साफ नहीं हो पाई।पहली बात तो यह कि वे शराब घोटाले में जेल गए। इसके अलावा अगर पांच महीने जेल गए भी तो बाकी समय क्या किया। केंद्र के दिए 8500 करोड़ रुपये कहां गए। क्लासरूम, मोहल्ला क्लीनिक, बस घोटाला आदि करने के लिए केजरीवाल के पास समय है, लेकिन यमुना साफ करवाने के लिए समय नहीं है

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

हृदयविदारक हादसे के लिए जिम्मेदार कौन?

> प्रयागराज महाकुंभ में भीड़ प्रबंधन की विफलता से हुए हृदयविदारक हादसे के लिए जवाबदेह कौन है? जिम्मेदार कौन है? आखिर ब्रेक के बाद जहां-तहां होते रहने वाली ऐसी रूह कंपा देने वाली घटनाओं को रोकने में हमारा प्रशासन अब तक नाकाम क्यों है और वह कबतक सक्षम हो पाएगा? या फिर कभी नहीं हो पाएगा, क्योंकि ऐसे मामलों में उसका ट्रैक रिकॉर्ड हमेशा खराब प्रतीत हुआ है।

प्रयागराज महाकुंभ के दौरान मौनी अमावस्या ब्रह्ममुहूर्त स्नान से ठीक पहले संगम नोज पर जुटी बेकाबू भीड़ की आपाधापी से जो भगदड़ मची और हृदय विदारक घटना घटी, उससे प्रशासन पुनः कलंकित हुआ है। इस अप्रत्याशित हादसे से एक बार फिर सरकार की व्यवस्था सवालों के घेरे में आ चुका है। साथ ही साथ भीड़ प्रबंधन सम्बन्धी प्रशासनिक तैयारियां भी, जिसको लेकर लाख प्रशासनिक दावे होते रहे हैं, जबकि एकाध घटनाएं ही उसकी तैयारियों की पूरी पोल खोल देती हैं। इसलिए सुलगता सवाल है कि प्रयागराज महाकुंभ में भीड़ प्रबंधन की विफलता से हुए हृदयविदारक हादसे के लिए जवाबदेह कौन है? जिम्मेदार कौन है? आखिर ब्रेक के बाद जहां-तहां होते रहने वाली ऐसी रूह कंपा देने वाली घटनाओं को रोकने में हमारा प्रशासन अबतक नाकाम क्यों है और वह कबतक सक्षम हो पाएगा? या फिर कभी नहीं हो पाएगा, क्योंकि ऐसे मामलों में उसका ट्रैक रिकॉर्ड हमेशा खराब प्रतीत हुआ है।

फिलवक्त योगी सरकार ने प्रयागराज महाकुंभ हादसे की न्यायिक जांच करवाने के आदेश दे दिए हैं, ताकि यह पता चल सके कि इतनी बड़ी प्रशासनिक चूक कैसे हुई और उसके लिए कौन-कौन लोग जिम्मेदार है? क्योंकि इतने महत्वपूर्ण वैश्विक आयोजन में पहले हुईं अग्निकांड की घटनाएं और फिर अनियंत्रित भीड़ से मची भगदड़ के चलते वहां की पूरी प्रशासनिक तैयारी भी एक बार पुनः सवालों के घेरे में आ चुकी है। वहां जो कुछ भी हुआ, वह भीड़ प्रबंधन सम्बन्धी प्रशासनिक विवेक के अकाल का परिचायक तो है ही, साथ ही साथ उसके त्वरित निर्णय लेने की क्षमता की अक्षमता को भी उजागर कर चुका है। जबकि वहां सीसीटीवी कैमरे, ड्रोन और हेलीकॉप्टर तक से निगहबानी हो रही है, ताकि त्वरित निर्णय लेते हुए स्थिति पर काबू पाया जा सके। वहीं, सवाल यह भी है कि इस हादसे के बाद आवागमन व वीआईपी व्यवस्था सम्बन्धी जो नीतिगत बदलाव किए गए, वह पहले ही क्यों नहीं किए गए? चूंकि महाकुंभ सम्बन्धी तैयारियां महीनों पहले से चल रही थीं और करोड़ों लोगों के जुटने के पूर्वानुमान भी लगाए जा चुके थे। फिर भी वहां हुई प्रशासनिक तैयारी तो नाकाफी लगी ही, साथ ही साथ श्रद्धालुओं के लिए कष्ट प्रदायक भी महसूस हुई। क्योंकि उनमें बच्चों, महिलाओं, बुजुर्गों और विकलांग लोगों की सहूलियत का कोई ख्याल नहीं रखा गया था। हालांकि, इस पूरे महाआयोजन की रिपोर्टिंग करने वहां पहुंचे पत्रकारों ने भी यदि श्रद्धालुओं की आवागमन सम्बन्धी बैरिकेटिंग, संगम नोज पर ठहरने और स्नान स्थल की कमी तथा रहन-सहन सम्बन्धी कमियों को पहले ही उजागर कर दिया होता तो प्रशासन को भी संभलने का मौका मिल जाता। लेकिन इस विषय को नजरअंदाज करना लोगों पर भारी पड़ गया। इस नजरिए से प्रशासनिक खुफिया तंत्र को भी आप विफल मान सकते हैं।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

अंतरिक्ष में सुनहरी कामयाबी की सौवीं उड़ान

मुकुल व्यास

भारत ने नए साल का शानदार आगाज करते हुए अंतरिक्ष में दो बड़े कीर्तिमान कायम कर दिए हैं। सबसे पहले इसरो ने 16 जनवरी को अंतरिक्ष में पहली बार दो यानों को सफलतापूर्वक जोड़ कर एक नया इतिहास रचा और इसके कुछ ही दिन बाद 29 जनवरी को उसने अपने ऐतिहासिक 100वें रॉकेट प्रक्षेपण के जरिए अपने दूसरी पीढ़ी के नेविगेशन (नौचालन) उपग्रह को कक्षा में स्थापित कर दिया। भारत को लंबे समय से अंतरिक्ष में अपने यानों की डॉकिंग का इंतजार था। सटीक गणनाओं और अत्याधुनिक तकनीक के माध्यम से हासिल की गई यह उपलब्धि अंतरग्रहीय मिशनों और उन्नत अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी में भारत की बढ़ती क्षमताओं को प्रदर्शित करती है।

इसरो ने सीमित संसाधनों के साथ काम करने के बावजूद एक अत्यधिक परिष्कृत कार्य को सफलतापूर्वक पूरा किया है। डॉकिंग के लिए दो उपग्रहों के बीच सही मिलान की आवश्यकता होती है, और इसमें अविश्वसनीय रूप से जटिल गणनाएं शामिल होती हैं। यह ऐसा काम नहीं है जो हर देश कर सकता है, लेकिन भारत ने एक बार फिर पूरी दुनिया के समक्ष अपनी योग्यता साबित कर दी है। भविष्य में भारत की अंतरिक्ष में बड़ी-बड़ी महत्वाकांक्षाएं हैं। भारत अंतरिक्ष में अपना स्थायी स्टेशन स्थापित करना चाहता है। अन्य बड़े लक्ष्यों में चंद्रमा से नमूने लाना और वहां मानव भेजना शामिल है। डॉकिंग की तकनीक इन लक्ष्यों को हासिल करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। पूरे देश और इसरो के वैज्ञानिकों के लिए यह बड़े गौरव की बात है कि भारत अंतरिक्ष में यान को डॉक करने वाला चौथा देश बन गया है। स्पैडेक्स (स्पेस डॉकिंग एक्सपेरीमेंट) मिशन इसरो की एक महत्वपूर्ण परियोजना है। इसरो के स्पैडेक्स मिशन को 30 दिसंबर को श्रीहरिकोटा लांच पैड से प्रक्षेपित किया गया था। उड़ान भरने के कुछ ही मिनटों बाद लगभग 220 किलोग्राम वजन वाले दो अंतरिक्ष यानों को 475 किलोमीटर की गोलाकार कक्षा में प्रक्षेपित किया गया। एक ही रॉकेट पर प्रक्षेपित किए गए दो अंतरिक्ष यान अंतरिक्ष में अलग हो गए।

इसरो के डॉकिंग परीक्षण के समय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बेंगलुरु में इसरो कार्यालय में उपस्थित थे। सफल डॉकिंग के बाद उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया, 'यह आने वाले वर्षों में भारत के महत्वाकांक्षी अंतरिक्ष मिशनों के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है।' स्पैडेक्स मिशन पर भेजे गए दो छोटे अंतरिक्ष यानों को एसडीएक्स 01 या चेजर और एसडीएक्स 02 या टारगेट कहा जाता है। लांच के बाद दोनों यान सावधानीपूर्वक चुनी गई गति से अंतरिक्ष में यात्रा कर रहे थे। उन्हें एक साथ अंतरिक्ष में भेजा गया था। लेकिन अलग होने के समय उन्हें अलग-अलग वेग पर रखा गया था ताकि वे अपने बीच 10-20 किलोमीटर की दूरी बना सकें। डॉकिंग के दौरान वैज्ञानिकों ने यानों की दूरी को कम करने के उपाय किए ताकि वे आपस में मिल सकें। स्पैडेक्स के लांच होने के समय एस. सोमनाथ इसरो प्रमुख थे और कुछ दिन पहले अपनी सेवानिवृत्ति तक इसकी प्रगति की निगरानी कर रहे थे। उन्होंने डॉकिंग को 'एक बहुत ही जटिल प्रक्रिया' के रूप में वर्णित किया था, जिसके लिए अत्यधिक सटीकता और समन्वय की आवश्यकता होती है। आने वाले दिनों में दोनों यानों की अनडॉकिंग (अलग होने) और उनके बीच पावर ट्रांसफर का परीक्षण किया जाएगा। चेजर यान से टारगेट यान में बिजली का हस्तांतरण एक बहुत महत्वपूर्ण प्रयोग है। इसकी सफलता से यह प्रदर्शित किया जा सकेगा कि अंतरिक्ष में तैनात अंतरिक्ष यान की आपूर्ति और सर्विस के लिए दूसरे यान को भेजा जा सकता है। यह मिशन अंतर-उपग्रह संचार के लिए भारत की क्षमताओं का भी परीक्षण करेगा क्योंकि डॉकिंग और अनडॉकिंग के दौरान अंतरिक्ष यान को पृथ्वी स्टेशन के साथ-साथ एक-दूसरे के साथ भी

संवाद करना होगा ताकि वे एक-दूसरे की स्थिति और गति जान सकें। अंतरिक्ष यान में वैज्ञानिक उपकरण और कैमरे भी हैं जिन्हें बाद में तैनात किया जाएगा। अगले दो वर्षों में वे अंतरिक्ष में विकिरण को मापेंगे और पृथ्वी पर प्राकृतिक संसाधनों की निगरानी करेंगे।

इसरो अपने मिशनों को किफायती बनाने के लिए पूरी दुनिया में मशहूर है। वह तीन महीने तक कक्षा में कुछ महत्वपूर्ण प्रयोग करने के लिए स्पेसडेक्स को अंतरिक्ष में ले जाने वाले रॉकेट के एक हिस्से का भी उपयोग कर रहा है जो सामान्य परिस्थितियों में अंतरिक्ष मलबा बन जाता है। पीएस4-ऑर्बिटल एक्सपेरीमेंट मॉड्यूल में 24 पेलोड है और यह पहले ही दो सफल प्रयोग कर चुका है। पहले प्रयोग में उसने बीज अंकुरण का प्रदर्शन किया। इसरो ने एक वीडियो ट्वीट किया था जिसमें कहा गया था कि सूक्ष्म गुरुत्वाकर्षण में अंतरिक्ष में लोबिया के अंकुरों ने अपने पहले पत्ते प्रकट कर दिए हैं।

गांधी ने किये थे फांसी रुकवाने के प्रयास

डॉ. रामजीलाल

भारत के तीन महान क्रांतिकारियों-भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु को 23 मार्च 1931 को फांसी दी गई थी। विरोधियों द्वारा दुष्प्रचार किया जाता रहा है कि गांधी जी ने तीन महान क्रांतिकारियों की जान को बचाने के लिए कोई ठोस प्रयास नहीं किया। तथ्य बताते हैं कि गांधी जी ने उनका जीवन बचाने हेतु भरसक प्रयास किए। गांधी जी सत्य-अहिंसा के मार्ग पर चलते हुए शांतिपूर्ण तरीके से स्वतंत्रता चाहते थे। इसके बिलकुल विपरीत यह प्रचार किया जाता है कि भगत सिंह व साथी हिंसात्मक साधनों से स्वतंत्रता चाहते थे। भगत सिंह ने दो घटनाओं-केंद्रीय असेंबली बम कांड व जॉन सांडर्स की हत्या को छोड़कर कोई हिंसा नहीं की। उन्होंने माना विचारों से जागरूक व जनता को लामबंद करके ही क्रांति आ सकती है। भगत सिंह व साथियों द्वारा भी अहिंसात्मक तरीकों को अपनाया गया।

30 अक्टूबर, 1928 को साइमन कमीशन जब लाहौर रेलवे स्टेशन पर पर पहुंचा तो शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों द्वारा 'साइमन कमीशन गो बैक' के नारे लगाए गए। इसका नेतृत्व लाला लाजपत राय कर रहे थे। लाहौर के पुलिस अधीक्षक, जेम्स ए. स्कॉट ने पुलिस को प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज करने का आदेश दिया। जिसके परिणाम स्वरूप 17 नवंबर, 1928 को लाजपत राय की मृत्यु हो गई। इस राष्ट्रीय अपमान का बदला लेने के लिए भगत सिंह और उनके साथियों ने जेम्स ए. स्कॉट को मारने की योजना बनाई। परंतु गलती से उन्होंने जेपी सांडर्स को मार दिया। फिर क्रांतिकारियों पर 'लाहौर षड्यंत्र केस' (1930) नाम से मुकदमा चला। 10 जुलाई, 1929 को मुकदमा शुरू हुआ। सात अक्टूबर, 1930 को ट्रिब्यूनल ने तीनों महान क्रांतिकारियों—भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु को 24 मार्च, 1931 को फांसी देने की सज़ा की तिथि निर्धारित की। लेकिन जन आक्रोश को देखते हुए एक दिन पूर्व 23 मार्च, 1931 को लाहौर जेल में फांसी दे दी गई।

अक्सर कहा जाता है कि महात्मा गांधी ने भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु को फांसी की सज़ा से बचाने के लिए प्रभावशाली ढंग से प्रयास नहीं किया। दरअसल, गवर्नर जनरल लॉर्ड इरविन, हर्बर्ट एमरसन, यशपाल, मन्मथनाथ गुप्त इत्यादि का मानना रहा है कि गांधी-ल्इरविन दिल्ली समझौते की शर्तों में क्रांतिकारियों को फांसी से बचाने की शर्त नहीं रखी गई। दरअसल, महात्मा गांधी ने वायसराय को पत्र लिखा था, जिसमें फांसी को स्थगित करने की मांग की गई थी। इस दृष्टिकोण का समर्थन करने वालों में नेताजी सुभाष बोस, डॉ. पट्टाभि सीतारमैय्या, मीरा बेन, एडवोकेट आसिफ अली, इतिहासकार वीएन दत्ता, पत्रकार रॉबर्ट बर्नेज़, भगत सिंह के एक साथी जितेन्द्र नाथ सान्याल, सी.एस. वेणु इत्यादि प्रमुख हैं। महात्मा गांधी ने सर्वप्रथम 4 मई, 1930 को मुकदमे से संबंधित न्यायाधिकरण के गठन की आलोचना की थी। 11 फरवरी, 1931 को भगत सिंह व उनके साथियों को फांसी की सज़ा से बचाने के लिए की गई अपील को प्रिवी कौंसिल (लंदन) द्वारा ठुकरा दिया गया।

महात्मा गांधी-इरविन समझौते के लिए 17 फरवरी, 1931 से 5 मार्च, 1931 तक मीटिंगें हुईं और पत्राचार भी हुआ। महात्मा गांधी ने 18 फरवरी, 1931 को गवर्नर जनरल लॉर्ड इरविन से फांसी को कम करने की बात की। महात्मा गांधी ने वायसराय से कहा, 'अगर आप वर्तमान माहौल को और अधिक अनुकूल बनाना चाहते हैं, तो आपको भगत सिंह की फांसी को स्थगित कर देना चाहिए। इरविन ने गांधी जी को उत्तर दिया, 'सज़ा कम करना कठिन है, लेकिन निलंबन निश्चित रूप से विचार करने योग्य है।' 7 मार्च, 1931 को महात्मा गांधी ने दिल्ली में एक सभा में कहा, 'मैं किसी को भी फांसी पर चढ़ाये जाने के लिए पूरी तरह सहमत नहीं हो सकता। भगत सिंह जैसे बहादुर व्यक्ति के लिए तो बिल्कुल नहीं।' 19 मार्च, 1931 को गांधी ने फिर से लॉर्ड इरविन से सज़ा कम करने की अपील की, जिसे इरविन ने मीटिंग की प्रोसिडिंग में नोट कर लिया। बीस मार्च, 1931 को महात्मा गांधी ने लॉर्ड इरविन के गृह सचिव हर्बर्ट इमर्सन से मुलाकात की। गांधी जी ने इरविन से 21 मार्च, 1931 और फिर 22 मार्च, 1931 को फिर मुलाकात की और उनसे सज़ा कम करने का आग्रह किया। 23 मार्च, 1931 को गांधीजी ने वायसराय को पत्र लिखा – 'शांति के हित में अंतिम अपील की आवश्यकता है। यदि पुनर्विचार के लिए कोई जगह बची है, तो मैं कहूंगा लोकप्रिय राय सज़ा में कमी की मांग करती है। जब कोई सिद्धांत दांव पर नहीं होता है, तो अक्सर उसका सम्मान करना कर्तव्य होता है। यदि सज़ा में कमी होती है तो आंतरिक शांति को बढ़ावा मिलने की सबसे अधिक संभावना है।

फांसी की स्थिति में, शांति निस्संदेह खतरे में हैज इन लोगों की जान बचाना सार्थक है, मैं आपसे आग्रह करूंगा कि आप इस कार्य को आगे की समीक्षा के लिए स्थगित कर दें। तब इरविन ने लिखा, 'यह महत्वपूर्ण था कि अहिंसा के पुजारी ने अपने स्वयं के मूल रूप से विरोधी पक्ष के समर्थकों के पक्ष में इतनी गंभीरता से वकालत की।' न्यूज़ क्रॉनिकल के पत्रकार रॉबर्ट बर्नेज़ ने अपनी पुस्तक 'द नेकेड फ़कीर' में उल्लेख किया है कि गांधी, के तर्कों के कारण इरविन 'सज़ा को निलंबित करने के बारे में सोच रहे थे, लेकिन पंजाब की नौकरशाही ने सामूहिक इस्तीफे की धमकी से उन्हें दबा दिया।' राष्ट्रीय अभिलेखागार द्वारा प्रकाशित एक किताब में गांधी जी ने लिखा कि अंग्रेजी सरकार के पास क्रांतिकारियों के हृदय को जीतने का 'स्वर्णिम अवसर' था परंतु सरकार इसमें असफल रही।

बसंत पंचमी के लिए पहले से तैयार करें आउटफिट

बसंत पंचमी भारतीय संस्कृति में एक महत्वपूर्ण त्योहार है, जो हर साल माघ महीने के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को मनाया जाता है। इस साल ये तिथि 2 फरवरी को पड़ रही है, ऐसे में बसंत पंचमी का त्योहार 2 फरवरी को मनाया जाएगा। बसंत पंचमी से ही बसंत ऋतु का आगमन होता है। ये दिन ज्ञान, कला और संगीत की देवी मां सरस्वती को समर्पित है। मां सरस्वती को पीला रंग अति प्रिय है इसलिए इस दिन पीले वस्त्र पहनने और पीले खाद्य पदार्थ खाने का विशेष महत्व है। पीला रंग समृद्धि, ऊर्जा, और सकारात्मकता का प्रतीक है। ऐसे में आप भी बसंत पंचमी के दिन खासतौर पर पीले रंग के कपड़े पहन सकती हैं। महिलाओं को हर त्योहार के लिए काफी पहले से तैयारी करनी पड़ती है, ऐसे में आप पीले रंग के आउटफिट के कुछ विकल्प देख सकते हैं, जिनको आप मां सरस्वती की पूजा में पहन सकती हैं।

सिंपल कुर्ती

यदि खूबसूरत दिखना चाहते हैं तो हल्की कुर्ती को कोल्हापुरी चप्पल और छोटे झुमकों के साथ पहनें। ये लुक आरामदायक होता है और देखने में अच्छा लगता है। आप चाहें तो बसंत पंचमी की पूजा के लिए चिकनकारी कुर्ता भी प्लाजो के साथ कैरी कर सकती हैं। वो भी देखने में कमाल का लगता है। यह पहनने में आरामदायक खूबसूरत और मल्टी कलर ऑप्शन वाली स्लीवलेस कुर्ती हैं। इनमें आपको शानदार प्रिंटेड ऑप्शन भी मिल जाएंगे। इनकी प्राइस रेंज काफी कम है। इन्हें पहनकर पसीना आने की दिक्कत का सामना नहीं करना पड़ता है। यह काफी ज्यादा हल्की होती हैं और आपको जबरदस्त कंफर्ट भी देती हैं। ये घर पर हैंड और मशीन वॉश भी की जा सकती है। ये वाइफ और गर्लफ्रेंड को गिफ्ट भी की जा सकती है।

सिंपल लहंगा

महिलाओं के पास भारी से लेकर हल्के तरीके से भी लहंगे उपलब्ध रहते हैं। ऐसे में पीले रंग के लहंगे के साथ कंट्रास्ट दुपट्टा लें। सिल्वर या ऑक्सीडाइज्ड ज्वेलरी इसे और आकर्षक बनाएगी। लहंगा पहन रही हैं तो ध्यान रखें कि अपना मेकअप ज्यादा हैवी नहीं करें। हैवी मेकअप पूजा के समय अच्छा नहीं लगता। इससे लुक भी खराब दिख सकता है।

अनारकली सूट पहनें

यदि आपके पास पीले रंग का अनारकली सूट रखा है तो उसे कलरफुल दुपट्टे के साथ पेयर करें। इसके साथ लाइट ज्वेलरी पहनें और मेकअप को भी लाइट ही रखें। अनारकली सूट देखने में प्यारा लगता है और इसे पहनकर लुक भी अच्छा दिखता है। जब आप अनारकली सूट पहन रही हैं तो आपका फोकस उसके फैब्रिक पर होना चाहिए। कभी भी बहुत हैवी फैब्रिक वाले सूट को आपको कैरी नहीं करना चाहिए। आपको हमेशा ध्यान में रखना चाहिए कि आप फ्लोई व लाइट फैब्रिक का चयन करें ताकि वे आपके लुक को कॉम्प्लीमेंट करें। आप जहां तक हो मल्टी लेयर वाले सूट से भी खुद को दूर रखें। अगर आप लाइट फैब्रिक वाले सूट को पहनती हैं तो ये आपकी हाइट पर सूट करेगा।

पीले रंग की साड़ी

साड़ी पहनना तकरीबन हर महिला को पसंद होता है। खासतौर पर जब बात पूजा-पाठ की आती है, तब तो साड़ी और भी ज्यादा खूबसूरत लगती है। ऐसे में वसंत पंचमी के दिन आप पीले रंग की साड़ी कैरी कर सकती हैं। अगर सरस्वती पूजा के लिए जा रही हैं तो सिल्क, बनारसी या कॉटन साड़ी को चुनें। इसे गोल्डन ब्लाउज और सादे गहनों के साथ स्टाइल करें। बॉर्डर या एंब्रॉयडरी वाली साड़ी भी इस त्योहार के लिए उपयुक्त होगी। पीला रंग बनारसी सिल्क की साड़ी जो हर महिलाओ की पसंद होती है। महिलाये अक्सर पूजा में पीले रंग की साड़ियां पहनती है।

हंसना मना है

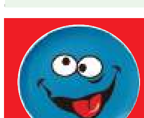

टीचर- रमेश, बताओ अगर तुम्हारा बेस्ट फ्रेंड और तुम्हारी गर्लफ्रेंड दोनों डूब रहे हों, तो तुम पहले किसको बचाओगे? रमेश- डूब जाने दूंगा दोनों को... आखिर दोनों एक साथ कर क्या रहे थे।

लड़की अपने ब्वॉयफ्रेंड को अपनी मम्मी से मिलवाने ले गई... दूसरे दिन.. गर्लफ्रेंड - मेरी मम्मी को तुम बहुत पसंद आए। ब्वॉयफ्रेंड - चल पगली....कुछ भी हो.... मैं शादी तो तुमसे ही करूंगा... मम्मी से बोलना मुझे भूल जाएं...

दो पड़ोसन आपस में बात कर रही थी, पहली पड़ोसन- तुम्हें पता है 24 साल तक मेरे कोई औलाद नहीं हुई, दूसरी पड़ोसन- तो फिर तूने क्या किया? पहली पड़ोसन- जब मैं 24 साल की हुई तब घरवालों ने जाके मेरी शादी करवाई फिर कहीं जाकर मुन्ना हुआ, दूसरी पड़ोसन आईसीयू में भर्ती है।

बंटू-वेटर, ऐसी चाय पिलाओ जिसे पीकर मन झूम उठे और बदन नाचने लगे, वेटर-सर हमारे यहां भैंस का दूध आता है, नागिन का नहीं, संजू - पंडित जी, किसी सुंदर लड़की का हाथ पाने के लिए क्या करूं? पंडित जी-किसी मॉल के बाहर मेहंदी लगाने का काम शुरू कर दे।

कहानी | अपनी भाषा पर गर्व

बात उन दिनों की है जब स्वामी विदेश यात्रा पर गए थे। वहां उनके आदर-सत्कार के लिए कई लोग आए। उनमें से कुछ लोगों ने स्वामी से साथ हाथ मिलाना चाहा और कुछ ने अंग्रेजी में उनसे 'हेलो' कहा। स्वामी विवेकानंद ने जवाब में हाथ जोड़ते हुए सबको नमस्कार कहा। यह देखकर कुछ लोगों ने सोचा कि स्वामी को अंग्रेजी नहीं आती है, इसलिए वो जवाब में नमस्ते कह रहे हैं। ऐसा सोचकर भीड़ में से एक व्यक्ति ने स्वामी विवेकानंद से हिंदी में पूछा कि आप कैसे हैं? हिंदी में सवाल सुनकर स्वामी विवेकानंद मुस्कुराए और उसे इंग्लिश में जवाब दिया, आई एम फाइन, थैंक यूं। स्वामी विवेकानंद का अंग्रेजी में जवाब सुनकर वहां मौजूद सभी लोग हैरान रह गए। लोगों के मन में हुआ कि जब इनसे अंग्रेजी में सवाल किया गया तब हिंदी में जवाब मिला और फिर हिंदी में बात करने पर इंग्लिश में जवाब मिला। आखिर ऐसा क्यों हुआ। तभी एक व्यक्ति ने स्वामी विवेकानंद से यह सवाल पूछ ही लिया। इसका जवाब देते हुए स्वामी विवेकानंद ने बड़ी ही विनम्रता से कहा कि जब आप लोगों ने अंग्रेजी में बात करके अपनी भाषा को आदर दिया, तब मैंने अपनी भाषा को मां मानकर उनका सम्मान करते हुए हिंदी में जवाब दिया। स्वामी विवेकानंद की इस बात को सुनकर वहां मौजूद सारे विदेशी हैरान रह गए और तभी से हिंदी भाषा को पूरे विश्व में सम्मान मिलने लगा। इस किस्से से स्वामी विवेकानंद का अपनी भाषा और संस्कृति के प्रति प्यार और आदर झलकता है।

सीख: हमेशा अपनी राष्ट्र भाषा को सम्मान देना और उस पर गर्व महसूस करना चाहिए। साथ ही अन्य भाषाओं का भी इतना ज्ञान होना जरूरी है कि हम सामने वाले की बात को समझ सकें।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष
आज के दिन व्यवसाय ठीक चलेगा। पुराने मित्र व संबंधियों से मुलाकात होगी। धन का अपव्यय होगा। प्रसन्नता रहेगी। व्यापार में नए अनुबंध लाभकारी रहेंगे।

वृषभ
यात्रा, नौकरी व निवेश मनोनुकूल रहेंगे। अप्रत्याशित लाभ संभव है। जोखिम न लें। धर्म के कार्यों में रुचि आपके मनोबल को ऊंचा करेगी। रोजगार मिलेगा।

मिथुन
विवाद से क्लेश होगा। फालतू खर्च होगा। पुराना रोग परेशान कर सकता है। जोखिम न लें। जीवनसाथी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। दांपत्य जीवन अच्छा रहेगा।

कर्क
बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा, नौकरी व निवेश मनोनुकूल रहेंगे। जोखिम न उठाएं। आज का दिन आपके लिए शुभ रहने की संभावना है।

सिंह
मेहनत का फल मिलेगा। योजना फलीभूत होगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। कर्ज से दूर रहना चाहिए। खर्च में कमी होगी। प्रतिष्ठितजनों से मेल-जोल बढ़ेगा।

कन्या
चोट व रोग से बचें। कानूनी अड़चन दूर होगी। धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। प्रसन्नता रहेगी। क्रय-विक्रय के कार्यों में लाभ होगा। योजनाएं बनेंगी।

तुला
आप कार्यस्थल पर परेशानियों का मुकाबला करके भी लक्ष्य को हासिल कर पाएंगे। व्यापारिक लाभ होगा। संतान के प्रति झुकाव बढ़ेगा। शिक्षा व ज्ञान में वृद्धि होगी।

वृश्चिक
आपके कार्य में राजकीय सहयोग प्राप्त होगा। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रमाद न करें। जायदाद संबंधी समस्या सुलझने के आसार बनेंगे।

धनु
संपत्ति के कार्य लाभ देंगे। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। प्रसन्नता रहेगी। प्रमाद न करें। धैर्य एवं शांति से वाद-विवादों से निपट सकेंगे। दुस्साहस न करें।

मकर
किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का मौका मिलेगा। बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। लाभ होगा। धन संचय की बात बनेगी। परिवार के कार्यों पर ध्यान देना जरूरी है।

कुम्भ
दूर से बुरी खबर मिल सकती है। दौड़धूप अधिक होगी। अपनी वाणी पर नियंत्रण रखें। थकान रहेगी। व्यापार-व्यवसाय संतोषप्रद रहेगा। आपसी संबंधों को महत्व दें।

मीन
मेहनत का फल कम मिलेगा। कार्य की प्रशंसा होगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। प्रसन्नता रहेगी। संतान की शिक्षा की चिंता समाप्त होगी। व्यापार-व्यवसाय लाभप्रद रहेगा।

बॉलीवुड | मन की बात

काफी करण में वीर पाड़िया ने भाई शिखर-सारा-जान्हवी की खोली पोल

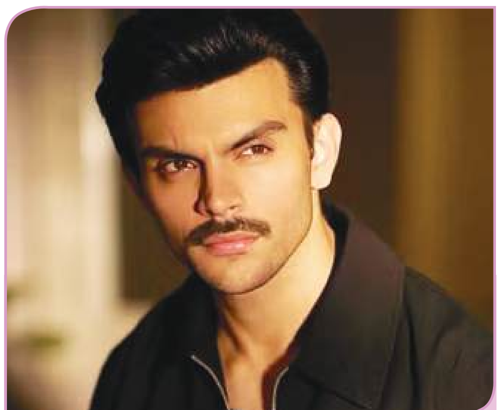

वीर पहाड़िया इन दिनों स्काई फोर्स से लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। वीर की यह डेब्यू फिल्म थी। करण जौहर के टॉक शो कॉफी विद करण के दौरान वीर ने अपने भाई शिखर के अलावा सारा अली खान और जान्हवी कपूर के बारे में कई बाते बताई। करण जौहर के चैट शो, कॉफी विद करण में बातचीत के दौरान, फिल्म निर्माता ने वीर पहाड़िया से जब उनकी डेटिंग लाइफ के बारे में पूछा और उन्हें तब आश्चर्य हुआ जब उन्होंने खुले तौर पर यह सार्वजनिक किया कि वे भाई-बहनों को डेट कर रहे हैं। कथित तौर पर करण ने कहा, मेरा मतलब है, यह अतीत की बात है। आप दोनों ने दो भाइयों को डेट किया था। हम तीनों के बीच समानता यह है कि वे दोनों मेरी बिल्डिंग में रहते थे। दरअसल, यहां बात जान्हवी कपूर-शिखर पहाड़िया और खुशी कपूर-वीर पहाड़िया की डेटिंग की हो रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, स्काई फोर्स के अभिनेता ने स्वीकार किया कि इस एपिसोड के प्रसारण के बाद उनके दोस्तों ने भी उनकी खिंचाई की। उन्होंने कहा कि चूंकि उन्होंने कोई बयान नहीं दिया था और वे सार्वजनिक रूप से सामने नहीं आए थे। उन्हें इस एपिसोड को देखने के बाद काफी हिचक महसूस हुई थी। वीर ने कहा, यह सब जब हुआ तो मुझे नहीं पता था कि यह बड़ा प्लेटफॉर्म है और यह मेरे लिए थोड़ा शर्मनाक हो गया था। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, सारा ने केदारनाथ से बतौर अभिनेत्री डेब्यू करने से पहले वीर पहाड़िया को डेट किया था, लेकिन कुछ समय बाद ही सोशल मीडिया पर वीर और सारा के बीच ब्रेकअप की खबरें आई। वहीं कथित तौर पर जान्हवी और शिखर का ब्रेकअप कुछ सालों तक चला, लेकिन आखिरकार दोनों फिर से साथ आ गए।

बाक्स ऑफिस पर पैर जमाए है अक्षय की स्काई फोर्स, किया 62 करोड़ का कलेक्शन

स्काई फोर्स की कहानी दर्शकों के दिलों को छूने में सफल रही है। फिल्म में अक्षय कुमार के साथ वीर पहाड़िया भी हैं। दोनों की अदाकारी दर्शकों को काफी पसंद आती है। हालांकि, सप्ताहांत के बाद फिल्म की कमाई में गिरावट नजर आ रही है। आइए जानते हैं कि छठे दिन फिल्म ने कितना कारोबार किया है।

स्काई फोर्स ने अक्षय कुमार के किस्मत के सितारे बदल दिए हैं। पिछले काफी समय से उनकी फिल्में पहले सप्ताहांत में अच्छा कारोबार नहीं कर पा रही थीं। लेकिन 2025 खिलाड़ी कुमार के लिए खुशियों भरी सौगात लेकर आया है। इस फिल्म ने पहले दिन में शानदार प्रदर्शन करते हुए 62.25 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया।

फिल्म का बजट 100 करोड़ के आस-पास का है। ऐसे में यह फिल्म पहले सप्ताह में ही अपनी लागत वसूल करने की ओर बढ़ती दिख रही है। सोमवार को कामकाज वाले दिन की वजह से फिल्म ने 8 करोड़ 10 लाख रुपये का कलेक्शन किया।

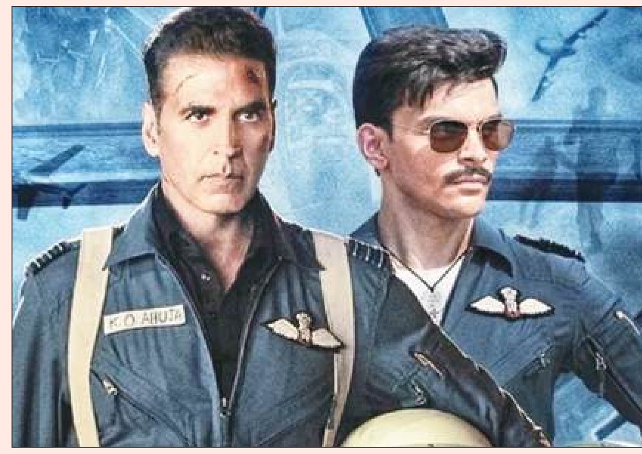

वहीं मंगलवार को फिल्म ने छह करोड़ 30 लाख रुपये कमाए। इस प्रकार फिल्म ने पांच दिन में 87.6 करोड़ रुपये बटोर डाले।

छठे दिन स्काई फोर्स की पकड़ बॉक्स ऑफिस पर बरकरार नजर आ रही है। शुरुआती आंकड़ों के मुताबिक इस फिल्म ने बुधवार को पांच करोड़ 96 लाख रुपये का कलेक्शन किया है। इसके साथ ही फिल्म की कुल कमाई 93.56 करोड़ रुपये हो चुकी है। उम्मीद जताई जा रही है कि दूसरे सप्ताहांत तक यह फिल्म 100 करोड़ का आंकड़ा आसानी से पार कर लेगी।

फिल्म की स्टारकास्ट की बात करें तो इसमें अक्षय और वीर के साथ सारा अली खान और निम्रत कौर भी हैं। फिल्म का निर्देशन अभिषेक अनिल कपूर और संदीप केवलानी ने किया है। फिल्म में शरद केलकर, वरुण बडोला, मनीष चौधरी और मोहित चौहान भी सहायक भूमिकाओं में हैं।

बड़े पर्दे पर धमाल मचाने की तैयारी में रवि तेजा

बॉलीवुड | मसाला

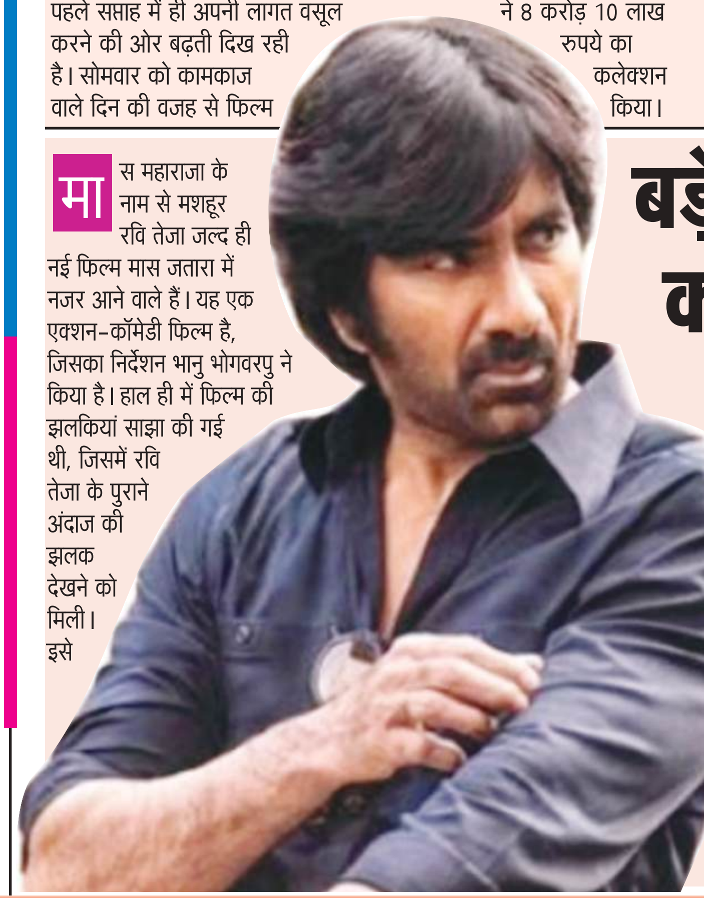

मास महाराजा के नाम से मशहूर रवि तेजा जल्द ही नई फिल्म मास जतारा में नजर आने वाले हैं। यह एक एक्शन-कॉमेडी फिल्म है, जिसका निर्देशन भानु भोगवरपु ने किया है। हाल ही में फिल्म की झलकियां साझा की गई थी, जिसमें रवि तेजा के पुराने अंदाज की झलक देखने को मिली। इसे देखने के बाद उनके फैंस के बीच फिल्म को लेकर उत्साह और बढ़ गया है। हालांकि, फिल्म की रिलीज डेट अभी तक घोषित नहीं की गई है, लेकिन खबरें हैं कि इसे 2025 की गर्मियों के महीने में रिलीज किया जा सकता है। इस बीच रवि तेजा की एक ओर फिल्म पर बड़ा अपडेट आया है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक रवि तेजा अब चर्चित निर्देशक कल्याण शंकर के साथ काम करने जा रहे हैं। एक हालिया रिपोर्ट के मुताबिक रवि तेजा को कल्याण शंकर की स्क्रिप्ट बेहद पसंद आई, जिसके बाद उन्होंने तुरंत ही इस प्रोजेक्ट के लिए अपनी सहमति दे दी। यह फिल्म सितारा एंटरटेनमेंट्स की ओर से प्रोड्यूस की जाएगी।

फिल्म की शूटिंग इस साल के अंत तक शुरू होने की संभावना है। मौजूदा समय में कल्याण शंकर अपनी फिल्म मैड 2 के पोस्ट-प्रोडक्शन में व्यस्त हैं।

रिपोर्ट्स के अनुसार फिल्म की रिलीज के बाद ही वह रवि तेजा की फिल्म के प्री-प्रोडक्शन पर काम शुरू करेंगे। हालांकि, अभी तक फिल्म के शैली और कहानी के बारे में कोई जानकारी नहीं मिली है। माना जा रहा है कि फिल्म बड़े बजट की होगी।

अजब-गजब | कोलंबिया के एक कपल की है अजीबो-गरीब दास्तां

पिछले 22 सालों से सीवर में रह रहा है यह कपल

सभी का सपना होता है कि उनका एक आलीशान सा घर हो, जिसमें वे अपने परिवार के साथ आराम से रह सकें। व्यक्ति अपने घर में अपनी क्षमता के अनुसार सुख सुविधा की सभी चीजें लाने की कोशिश करता है जैसे टीवी, फ्रीज, एसी, बेड सोफा आदि। लेकिन एक कपल ऐसा भी है जिसने सीवर को ही अपना घर बना लिया है। इस कपल की कहानी सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रही है। कोलंबिया का यह दंपति पिछले 22 सालों से सीवर में रह रहा है और खुशीखुशी अपनी जिंदगी जी रहा है।

यह कपल कोलंबिया के मेडेलिन शहर में रहता है। महिला का नाम मारिया गार्सिया है और उनके पति का नाम मिगुएल रेस्ट्रेपो है। यह कपल पिछले 22 सालों से सीवर में ही रह रहा है। इन्होंने एक बेकार पड़े सीवर को अपना घर बना लिया और वहीं अपना जीवन बसा लिया।

दरअसल, यह दंपति ड्रग्स की लत का शिकार था। इसकी वजह से इन्हें आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ा लेकिन एकदूसरे के सहारे से इन्होंने इस बुरी आदत से छुटकारा पाया और जिंदगी को एक नई दिशा दी। परिवार और दोस्तों से कोई आर्थिक मदद नहीं मिलने के कारण इन दोनों ने सीवर में रहने का फैसला किया और इसे ही अपना घर बना लिया।

सीवर के इस घर को इन्होंने अपने हिसाब से सजाया है, जिसमें बिजली, टीवी और अन्य

ज़रूरत की चीजें मौजूद हैं, जो एक आम घर में होती हैं। यह दंपति त्योहारों और छुट्टियों पर अपने घर की सफाई और सजावट बड़े उत्साह के साथ करते हैं। इस साधारण से घर की सुरक्षा के लिए उनके पास एक कुत्ता भी है, जो उनका वफादार साथी है। उनका जीवन बेहद साधारण है, लेकिन वे इसमें संतोष और खुशी ढूंढने में कामयाब रहे हैं, जो लोगों के लिए एक प्रेरणा है। ये कपल सीवर में अब आरामदायक जिंदगी बिता रहा है। मारिया और मिगुएल की कहानी बताती है कि खुशी के लिए महल नहीं, बल्कि एक संतोषी दिल और जज्बा चाहिए। परिस्थितियां चाहे कैसी भी हों, अपने जीवन को बेहतर बनाना हमेशा हमारे अपने हाथ में है। उनका जीवन बेहद साधारण है, लेकिन वे इसमें संतोष और खुशी ढूंढने में कामयाब रहे हैं, जो लोगों के लिए एक प्रेरणा है। ये कपल सीवर में अब आरामदायक जिंदगी बिता रहा है। मारिया और मिगुएल की कहानी बताती है कि खुशी के लिए महल नहीं, बल्कि एक संतोषी दिल और जज्बा चाहिए। परिस्थितियां चाहे कैसी भी हों, अपने जीवन को बेहतर बनाना हमेशा हमारे अपने हाथ में है।

कंपनी के बोनस देने का अनूठा अंदाज लोग बोरे में भरकर ले गये रुपये

आमतौर पर जब कोई कंपनी कार्यक्षेत्र में अच्छा प्रदर्शन करती है तो कर्मचारियों को बदले में अच्छा बोनस दिया जाता है। ये बोनस या तो सीधा अकाउंट में ट्रांसफर होता है या फिर इसे किसी चेक के जरिये दिया जाता है। हालांकि पड़ोसी देश चीन में एक

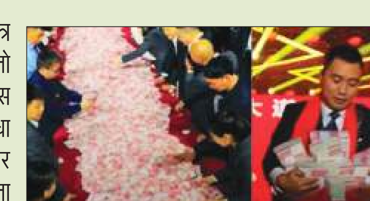

कंपनी ने ऐसा कुछ भी न करके बोनस के तौर पर दिए जाने वाले कैश को मेज पर बिछा दिया और कर्मचारी इसमें से जितने रुपये गिन पाए, अपने घर ले गए। सोचिए, आपके सामने नोटों का पूरा पहाड़ खड़ा कर दिया जाए और ऑफर मिले कि जितने नोट आप गिन पाएं, उतने आपके तो कैसा होगा? पड़ोसी देश चीन में एक कंपनी ने अपने कर्मचारियों के साथ ऐसा ही किया और वे बोरों में भरकर कैश घर ले गए। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है और दावा किया जा रहा है कि ये 25 जनवरी को हुए ईवेंट का वीडियो है। चीन में नया साल आने वाला है, ऐसे में यहां ज्यादातर कंपनियां नए साल के मौके पर अपने कर्मचारियों को बोनस देती हैं। हर कंपनी की कोशिश होती है कि वो अपने कर्मचारियों को खुश कर दे। इसी बीच एक ऐसी कंपनी का वीडियो वायरल हो रहा है, जिसने कर्मचारियों को बोनस देने के बेहद अलग और दिलचस्प तरीका ढूंढ निकाला। वीडियो में देखा जा सकता है कि कंपनी ने एक बड़ा सा टेबल लगाया गया है, 100-100 युआन के नोटों का अंबार लगा है। इसके साथ ही शर्त रखी गई कि कर्मचारी यहां आकर तय समय में जितने नोट गिन पाएं, वो अपने साथ लेकर जाएं। नोट गिनने का वक्त लॉटरी सिस्टम से तय हो रहा था, जिसमें 1 मिनट से लेकर 15 मिनट तक की पर्चियां थीं।

कैश गिनकर ले जाने की ये प्रतियोगिता Kuangshan Crane Company की ओर से कराई गई थी। इसके लिए कुल 20 मनी काउंटर लगाए गए थे। जिसमें लोग तय वक्त में नोट गिन रहे थे। इसके साथ कुछ रूल्स भी थे, जिसमें एक ये भी था कि अगर कोई एक भी नोट गलत गिनता है, तो बोनस से 1000 युआन काट लिए जाएंगे। इस खेल में जिस कर्मचारी का जैकपॉट लगा उसने 97,800 युआन तक के नोट गिने थे, यानि उसे 11,27,837 रुपये का बोनस मिला। इतना पैसा वो एक बोरे में भरकर घर ले गया। है ना ये बेहद दिलचस्प मामला।

मोदी-केजरीवाल बोलते हैं झूठ: राहुल

आप और भाजपा पर हमलावर हुए नेता प्रतिपक्ष

» बोले- कांग्रेस पार्टी कभी झूठे वादे नहीं करती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली में चुनाव प्रचार अपनी तेजी में हैं। आप संयोजक अरविंद केजरीवाल पर मोदी के हमले के बाद अब राहुल गांधी ने उनपर मोर्चा खोल दिया है। हालांकि नेता प्रतिपक्ष व कांग्रेस नेता ने भाजपा व पीएम मोदी पर भी तीखे प्रहार किया। राहुल गांधी ने कहा कि अरविंद केजरीवाल जी 5 साल पहले यमुना का पानी पीने की बात कर रहे थे लेकिन आज वह यमुना के पानी की बोतल के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस कर रहे हैं। वह एक के बाद एक झूठ बोलते हैं। केजरीवाल ने कहा था यमुना में स्नान करूंगा, यमुना का पानी पिऊंगा। केजरीवाल जी, यमुना का पानी छोड़िए, बादली की जनता जो पानी पी रही है, वही पीकर दिखा दीजिए।

लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने ने देवेंद्र यादव के समर्थन में विधानसभा क्षेत्र बादली में विशाल जनसभा को संबोधित किया। आप बीजेपी ने दिल्ली की जनता से विश्वासघात किया है। यहां के लोग साफ पानी और प्रदूषण मुक्त हवा के लिए तरस रहे हैं, लोगों के पास सुविधाओं की भारी कमी है। इसलिए अब जनता ने ठान लिया है, आप-बीजेपी को सबक सिखाना है और दिल्ली में कांग्रेस की सरकार को लाना है। हम मर जाएंगे, लेकिन बीजेपी से समझौता नहीं करेंगे। राहुल गांधी ने कहा कि आप कभी मत भूलिएगा कि आपके साथ कौन खड़ा होता है, संविधान को कौन बचाता है और आपसे सच कौन बोलता है। कांग्रेस पार्टी कभी झूठे वादे नहीं करती। ये इसलिए क्योंकि कांग्रेस पार्टी और जनता का रिश्ता मोहब्बत-भाईचारे का है। कांग्रेस पार्टी ने आपसे वादा किया था कि मनरेगा देंगे, भोजन का अधिकार देंगे, कर्ज माफ करेंगे, कर्नाटक की महिलाओं के लिए फ्री बस सेवा देंगे, कर्नाटक, तेलंगाना में महिलाओं के खातों में सीधा पैसा देंगे, छत्तीसगढ़ में किसानों को धान का सही दाम देंगे। कांग्रेस पार्टी ने इन सभी वादों को पूरा किया।

बीच प्रेसवार्ता से कांग्रेस सांसद को उठाकर ले गई पुलिस

सीतापुर। यूपी के सीतापुर में पुलिस ने दुष्कर्म के आरोपी कांग्रेस सांसद राकेश राठौर को गिरफ्तार कर लिया है। सदर विधानसभा क्षेत्र की महिला ने सीतापुर के कांग्रेस सांसद राकेश राठौर पर यौन शोषण का आरोप लगाकर सदर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराया था। सांसद को को शहर कोतवाली पुलिस ने उनको लोहरबाग

स्थित आवास से गिरफ्तार किया है। सांसद के परिजनों की मानें तो सांसद एक प्रेस कांफ्रेंस कर सरेंडर करने वाले थे। इस दौरान पुलिस पहुंच गई और गिरफ्तार किया। बता दें कि हाईकोर्ट की एकल पीठ ने सांसद की अग्रिम जमानत याचिका को बुधवार को खारिज किया था। न्यायाधीश राजेश चौहान ने दो हफ्तों में सरेंडर करने को कहा था।

मुझे झूठ बोलना पसंद नहीं

राहुल ने कहा कि मुझे झूठ बोलना पसंद नहीं है। यह हकीकत है कि अगर कांग्रेस ने दलितों, पिछड़ों, अति पिछड़ों का विश्वास बरकरार रखा होता तो आरएसएस कभी सत्ता में नहीं आता। मैं कह सकता हूं कि इंदिरा गांधी जी के समय में पूरा भरोसा कायम था, क्योंकि तब दलितों, अल्पसंख्यकों, पिछड़ों और अति पिछड़ों को पता था कि इंदिरा गांधी जी उनके लिए लड़ेंगी और मरेंगी भी। वहीम, कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने विधानसभा चुनाव के प्रचार के बीच यमुना नदी के किनारे पहुंचकर नदी की स्थिति का जायजा लिया तथा पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को उनका एक पुराना वादा याद दिलाते हुए कहा कि वह डुबकी कब लगाएंगे। राहुल गांधी ने यमुना नदी के किनारे पहुंचकर स्थिति का जायजा लेने का वीडियो बृहस्पतिवार को 'एक्स' पर जारी किया।

90 के दशक में कांग्रेस ने दलितों -पिछड़ों का भरोसा तोड़ा

राहुल गांधी ने कहा कि कांग्रेस ने पिछले 10-15 वर्षों में दलितों और पिछड़े वर्गों के लिए पर्याप्त काम नहीं किया है। साथ ही राहुल ने यह भी कहा कि न्हें यह स्वीकार करने में कोई झिझक नहीं है कि पार्टी उनकी दादी और पूर्व प्रधान मंत्री इंदिरा गांधी के नेतृत्व के बाद वंचित वर्गों के विश्वास को बरकरार रखने में सक्षम नहीं रही है। गुरुवार को दलित प्रभावशाली व्यक्तियों और बुद्धिजीवियों के एक सम्मेलन को संबोधित करते हुए, गांधी ने कहा कि दलित और पिछड़े मुक्ति का एक नया चरण आकार लेना शुरू कर रहा है। दिल्ली चुनाव प्रचार के बीच एक सभा में बोलते हुए, गांधी ने अपने पसंदीदा विषय पर कहा कि कैसे सामाजिक रूप से पिछड़े और उपेक्षित लोगों को, कुछ प्रतीकात्मक प्रतिनिधित्व को छोड़कर, भाजपा शासन के दौरान राजनीतिक व्यवस्था और संस्थागत ढांचे में आनुपातिक नियंत्रण कभी नहीं मिला। इसके बाद गांधी ने कांग्रेस को ही आईना दिखाया।

नए अंदाज और नए लुक के साथ लड़ना चाहते हैं तेजस्वी यादव

» 2025 के विधानसभा चुनाव की तैयारी में जुटी राजद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव अब बिहार विधान सभा चुनाव 2025 को नए अंदाज और नए लुक के साथ लड़ना चाहते हैं। हालांकि तेजस्वी यादव ने राजद की छवि से मुक्त होने की कोशिश तो वर्ष 2020 के विधान सभा से ही शुरू कर दी थी। यह दीगर कि तब तेजस्वी यादव राज्य की सत्ता से दूर ही रहे पर बिहार विधानसभा में सबसे बड़ी पार्टी बन कर अपने तेवर का एहसास करा गए।

अब फिर एक बार राजद के बदले चेहरे के साथ जनता के बीच कार्यकर्ता दर्शन सह संवाद कार्यक्रम में जा रहे तेजस्वी यादव बदलाव की एक नई बयार ले कर जा रहे हैं। राजद के युवराज तेजस्वी यादव ने राजद

ने अपनी इस नये चेहरे के प्रक्षेपण काल तय किए और निकल गए कार्यकर्ता दर्शन सह संवाद यात्रा पर। तेजस्वी यादव अपने पहले चरण यानी कि 10 सितंबर से ही अपने इस अभियान में लग गए । इस कार्यक्रम के जरिए सभी जिलों में जा कर नए राजद की पहचान बनानी है जहां वे बढ़ते अपराध और भ्रष्टाचार के मुद्दे उठा कर नीतीश सरकार से आंख मिलाने की कोशिश कर रहे है।

महाराष्ट्र में राउत के बयान पर फिर बवाल

» भाजपा ने शिवसेना यूबीटी के दावों को किया खारिज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। हाल ही में संजय राउत ने दावा किया था कि सत्तारूढ़ भाजपा के कई नेता शिवसेना यूबीटी के साथ गठबंधन करना चाहते हैं। संजय राउत के इस दावे को महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने खारिज कर दिया है। उद्धव ठाकरे के सहयोगी और विधान परिषद सदस्य मिलिंद नार्वेकर और भाजपा के मंत्री चंद्रकांत पाटिल के बीच रात विधायक पराग अलवानी की बेटी के विवाह समारोह में शिवसेना यूबीटी प्रमुख की मौजूदगी में कुछ हंसी-मजाक हुई थी। समारोह में शामिल लोगों ने जानकारी दी कि नार्वेकर ने पाटिल से मजाक में कहा, यह अच्छा है कि पत्रकार यहां नहीं हैं, अन्यथा, वे कहेंगे कि गठबंधन की बातचीत चल रही है।

हमारा हक एकनाथ शिंदे को दिया गया : संजय राउत

पाटिल ने चुटकी लेते हुए कहा, यह एक स्वर्णिम क्षण होगा। इस कार्यक्रम में एकनाथ शिंदे, अजित पवार ने भी शिरकत की थी। कार्यक्रम के बाद संजय राउत ने कहा, चंद्रकांत पाटिल की भावनाएं यानी भाजप-शिवसेना की गठबंधन, भाजपा में कई अन्य लोगों की भी भावनाएं हैं। मैं उनके विचारों की सरहाना करता हूं। हमारी असली शिवसेना छोड़कर जो डुप्लिकेट शिवसेना बनी है, उसे बीजेपी ने समर्थन दिया, जो हमारा हक था उसे एकनाथ शिंदे को दे दिया गया।

सामान्य बैठकों को राजनीतिक रूप से नहीं देखना चाहिए: फडणवीस

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि सामान्य बैठकों को राजनीतिक रूप से नहीं देखना चाहिए। संजय राउत ने दावों को खारिज करते हुए फडणवीस ने कहा, किसी को भी इतना भोला नहीं होना चाहिए की लोग प्रीतिभोज में मिलें और गठबंधन बन जाए या दल करीब आ जाए।

इंग्लैंड से 5वीं टी20 सीरीज जीतने उतरेगा भारत

» रिंकू सिंह और अर्शदीप सिंह की हो सकती है टीम में वापसी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पुणे। भारत और इंग्लैंड के बीच जारी पांच मैचों की टी20 सीरीज का चौथा मुकाबला आज पुणे में खेला जाएगा। इस मैच में भारतीय टीम सीरीज में अजेय बढ़त बनाने उतरेगी। फिलहाल सूर्यकुमार की अगुआई वाली टीम 2-1 से आगे चल रही है। अब उसकी नजर लगातार पांचवीं सीरीज अपने नाम करने पर होगी। 2017 में भारत ने इंग्लैंड को तीन मैचों की सीरीज में 2-1 से, 2018 में 2-1 से, 2021 में पांच मैचों की सीरीज में 3-2 से और 2022 में 2-1 से हराया था।

वहीं तेज रफ्तार के सामने संजू सैमसन की कमजोरी और रिंकू सिंह का खराब फॉर्म और फिटनेस इंग्लैंड के खिलाफ शुक्रवार को चौथे टी20 मैच से पहले भारतीय टीम प्रबंधन की चिंता का सबब होगा। सूर्यकुमार यादव की टीम ने कोलकाता और चेन्नई में पहले दो मैच जीते थे। सैमसन ने मौजूदा सीरीज में उनका स्कोर 26, 5 और तीन रहा है जो चिंता की बात है। वह 145

किमी की रफ्तार से अधिक वाली गेंदों का सामना नहीं कर पा रहे। रिंकू सिंह की कमर की तकलीफ के कारण सातवें नंबर पर ध्रूव जुरेल को उतारा गया लेकिन वह इस प्रारूप में फिट नहीं हो पा रहे। रिंकू को पहले दो मैचों में आराम दिया गया और वह चौथे मैच तक फिट हो सकते हैं। वैसे रिंकू भी अपने सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में नहीं हैं। मोहम्मद शमी काफी समय बाद टीम में लौटे हैं और राजकोट में उन्होंने अच्छी वापसी की। देखना यह है कि जसप्रीत बुमराह की गैर मौजूदगी में क्या भारत के सर्वश्रेष्ठ टी20 गेंदबाज अर्शदीप सिंह को जगह मिलती है तो पावरप्ले में सफलता दिला सकते हैं।

रणजी में 12 साल बाद विराट की वापसी फ्लॉप छह रन बनाकर हुए ढेर

नई दिल्ली। रणजी ट्रॉफी में दिल्ली और रेलवे के बीच मुकाबला के दूसरे दिन दिल्ली की पहली पारी का दूसरा विकेट गिरा। इसके बाद जैसे ही विराट कोहली बल्लेबाजी के लिए आए, पूरे स्टेडियम में कोहली-कोहली की आवाज गूंज रही थी। हालांकि, जल्द ही स्टेडियम में सन्नाटा भी पसर गया, क्योंकि कोहली कुछ ही मिनट बाद हिमांशू सांगवान ने कोहली को क्लीन बोल्ड किया। वह 15 गेंद में एक चौके की मदद से छह रन बना सके। उनके आउट होते ही फैंस स्टेडियम छोड़कर जाते भी दिखे। इससे पता चलता है कि उनका जादू अब भी बरकरार है। इतना ही नहीं, कोहली जब पवेलियन में शैडो बैटिंग प्रैक्टिस भी कर रहे थे और कैमरे ने जैसे ही उन पर फोकस किया, स्टेडियम में मौजूद फैंस ने उन्हें जमकर चीयर किया।

मरीजों को लूट रहा एएस हेल्थ एंड ट्रामा सेंटर

» सरकारी अस्पतालों के मरीजों को प्राइवेट में भेज रहे दलाल

» तीमारदार बोला डॉक्टर ने कॉलर पकड़ी, असलहा दिखाया

» मुख्यमंत्री व मंत्री के निर्देश भी ठेंगे पर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लखनऊ में इलाज के नाम पर मरीजों को लूटना अब एक फैशन बन गया है। सरकारी अस्पतालों के बाहर दलाल सक्रिय रहते है और मरीज/तीमारदार को बेहतर इलाज के नाम पर निजी अस्पताल का रुख करवाते हैं। ऐसे में इन दलालों का भारी भरकम कमीशन होता है जो निजी अस्पताल मरीज/तीमारदार की जेब से वसूल कर दलाल को देता हैं। निजी अस्पताल और दलालों का ये खेल नया नहीं काफी पुराना है और स्वास्थ विभाग आंख मूंदकर इस खेल का अनचाहा हिस्सा बन बैठा हैं।

जहां मरीजों को इलाज के नाम पर लूटा जाता है और विरोध करने पर मरीज का इलाज न करने और देख लेने की धमकी भी आम बात है। जो थोड़ी बहुत पहुंच रखते है वो किसी तरह इस दलदल से निकलने का प्रयास करते है लेकिन गरीब आदमी ऐसे में थाने, अस्पताल, बैंक के चक्कर लगाते रह जाता है।

राजधानी लखनऊ के एएस हेल्थ एंड ट्रामा सेंटर से एक ऐसा ही मामला निकलकर सामने आया है, जहां बाराबंकी से एक परिवार अपने चार माह के बच्चे का इलाज कराने दलाल(रहमान) के माध्यम से एडमिट हुआ। अस्पताल प्रशासन ने बच्चे को निमोनिया बीमारी बताई, परिजनों का कहना है कि प्रतिदिन 15 हजार रुपए इलाज के नाम पर खर्च होंगे अस्पताल प्रशासन की तरफ से बताया गया था। परिजनों ने 76 हजार रुपए जमा किए लेकिन अस्पताल प्रशासन ने उन्हें और 81 हजार का बिल थमा दिया। परिजनों ने जब इसकी जानकारी लेनी चाहिए तो एएस हेल्थ एंड ट्रामा सेंटर प्रशासन ने तीमारदारों से बदतमीजी, अभद्रता की, परिजनों की माने तो मैनेजमेंट के कहने पर तीमारदारों का कॉलर पकड़ा गया और असलहे के बल पर बदतमीजी करते हुए धमकी दी। साथ ही जब परिजनों ने बच्चे को डिस्चार्ज करने की बात कही तो अस्पताल प्रशासन ने धमकाते हुए कहा कि बकाया बिल भरने के बाद ही बच्चा डिस्चार्ज होगा।

ये हैं एएस अस्पताल के दलाल

हंजराज | अभिनव | फैज | पुष्कर | सुमित

अस्पताल के मालिक आलोक सिंह का दबदबा, ट्रामा सेंटर, सिविल मातृ एवं शिशु रेफरल चिकित्सालय डॉक्टर राम मनोहर लोहिया पर दलालों का डेरा

एएस हेल्थ एंड ट्रामा सेंटर की लखनऊ में है दो जगहों पर हॉस्पिटल एक खुरदई बाजार में जहां लोहिया शिशु और सिविल हॉस्पिटल से मरीजों को भेजने का काम दलालों के जरिए लगातार चल रहा है,हॉस्पिटल से छोटे बच्चों को दलालों के माध्यम से इलाज के लिए भेजा ट्रामा सेंटर से लेकर सिविल

अस्पताल मातृ एवं शिशु चिकित्सा तक दलाल लगातार एएस हेल्थ एंड ट्रामा सेंटर हॉस्पिटल के लिए काम करते है यहां से मरीज को बहला समझा कर अस्पताल से निकालकर प्राइवेट हॉस्पिटल में अच्छा इलाज मिलने की बात कहकर एएस हेल्थ एंड ट्रामा सेंटरहॉस्पिटल में भर्ती कराते है और एक मोटी रकम एएस हेल्थ एंड ट्रामा सेंटरहॉस्पिटल के मालिक आलोक सिंह से लेते है

कई दिनों से आ रही थीं शिकायतें

एएस हेल्थ एंड ट्रामा सेंटर पर 4पीएम के टिम पहुंची तो कई तीमारदार अपनी शिकायतों को लेकर मुखर होने लगे, आस पास दुकान लगाने वाले ने बातचीत में बताया कि रुपए पैसे, अस्पताल तीमारदार के विवाद यहां सामान्य है आए दिन ऐसी घटनाएं होती रहती हैं। यहां कोई मरीज खुद से भर्ती नहीं होता सब खेल दलालों का है।

ट्रॉमा के मानकों को पूरा नहीं करता अस्पताल

राजधानी लखनऊ में ऐसे कई निजी अस्पताल है जो स्वास्थ्य विभाग के जरूरी मानकों को पूरा नहीं करते हैं। और धड़ल्ले से संचालित होते है, कई अस्पतालों में फायर सेफ्टी की सुविधा ही नहीं है। एएस हेल्थ एंड ट्रामा सेंटर सरकारी मानकों के साथ कई सारे मानकों पर खरा नहीं उतरता है। साथ ही मरीज तीमारदार से बर्ताव भी अच्छा नहीं है।

डिप्टी सीएम ब्रजेश के निर्देशों की धज्जियां उड़ा रहा सेंटर

उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक जो कि स्वास्थ्य महकमा के भी मंत्री हैं उन्होंने मरीजों और तीमारदारों को लेकर एक निर्देश दिया था। निर्देशानुसार कहा गया था कि सभी डॉक्टर और अस्पताल के स्टाफ मरीज और तीमारदार से अच्छा बर्ताव अच्छा व्यवहार करेंगे।

बच्चे की मौत, परिजनों ने लगाया इलाज में लापरवाही का आरोप

पुलिस के हस्तक्षेप के बाद एएस हेल्थ एंड ट्रामा सेंटर ने बच्चे को डिस्चार्ज कर परिजनों को सौंप दिया, परिजनों ने खरे अस्पताल में बच्चे को भर्ती कराया लेकिन अस्पताल पहुंचते ही बच्चे की मौत हो गई, ऐसे में परिजनों नह्य एएस हेल्थ एंड ट्रामा सेंटर पर इलाज में लापरवाही का आरोप लगाया और बच्चे को दी जाने वाली दवाओं की गुणवत्ता पर सवाल उठाए।

अभिभाषण के साथ बजट सत्र शुरू, विपक्ष ने सरकार को घेरा

कल पेश होगा यूनियन बजट, पीएम का विपक्ष पर वार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नइ दिल्ली। संसद में राष्ट्रपति द्रौपदी के अभिभाषण के बाद से बजट सत्र शुरू हो गया है। इस बीच विपक्ष ने बीच-बीच में हंगामा किया। राष्ट्रपति के अभिभाषण के बाद सत्र स्थगित हो गया। अब कल 11 बजे सत्र फिर शुरू होगा। इसी दिन (1 फरवरी) वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण के 'द्रीय बजट पेश करेंगी। उधर जहां प्रधानमंत्री मोदी ने आने वाले बजट के अच्छा होने की उम्मीद जताई हैं वहीं संसद परिसर में जाने से पहले विपक्ष पर बड़ा हमला बोला है।

उन्होंने कहा कि 2014 के बाद यह पहली बार है जब सत्र शुरू होने से पहले भारत में समस्या पैदा करने का कोई विदेशी प्रयास नहीं किया गया। वहीं अभिभाषण को विपक्ष ने बोरिंग बता दिया। वहीं राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि सरकार के प्रयासों से भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने जा रहा है। घोड़ा-बग्गी में सवार होकर संसद पहुंचने के बाद मुर्मू ने राष्ट्रगान के बाद अपना संबोधन शुरू किया।

मुर्मू ने शुक्रवार को कहा कि सरकार कृषि क्षेत्र में आधुनिकीकरण और आत्मनिर्भरता की दिशा में काम कर रही है। साथ ही किसानों की आमदनी बढ़ाने पर भी ध्यान दिया जा रहा है।

बजट सत्र से पहले मां लक्ष्मी को प्रणाम करता हूं : पीएम

मोदी विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए कहा, संभवतः 2014 के बाद यह पहला संसद सत्र है, जब विदेश से आग भड़काने की कोशिश नहीं की गई। मैं 2014 से ही देख रहा हूं कि लोग हर सत्र से पहले उत्पात मचाने के लिए तैयार रहते हैं और यहां ऐसी मुसीबतों को हवा देने वाले लोगों की कोई कमी नहीं है। और ऐसे अवसर पर सदियों से हमारे यहां मां लक्ष्मी का पुण्य स्मरण किया जाता है।

राष्ट्रपति अंत तक बहुत थक गई थीं : सोनिया गांधी

शुक्रवार को संसद में बजट सत्र के पहले दिन द्रौपदी मुर्मू द्वारा सदन की शुरुआत करने के बाद कांग्रेस नेता सोनिया गांधी ने कहा कि राष्ट्रपति थक रही थीं। सोनिया गांधी ने कहा कि राष्ट्रपति अंत तक बहुत थक गई थीं। वह मुश्किल से बोल पा रही थीं।

अभिभाषण में कुछ भी नया नहीं था : राहुल

राहुल गांधी ने कहा कि बोरिंग, कुछ भी नया नहीं था। मुर्मू ने शुक्रवार को कहा कि सरकार किसानों की आय बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करते हुए कृषि क्षेत्र में आधुनिकीकरण और आत्मनिर्भरता की दिशा में काम कर रही है।

वास्तविक मुद्दों पर चर्चा नहीं करना चाहती सरकार : प्रियंका

कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने केंद्र की आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि वह संसद में वास्तविक मुद्दों पर चर्चा नहीं करना चाहती है। उन्होंने कहा कि वे (सरकार) न तो वास्तविक मुद्दों पर चर्चा करते हैं और न ही जवाब देते हैं।

गोरखपुर में हादसा, दो रोडवेज बसें टकराईं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गोरखपुर। गोरखपुर के थाना गगहा क्षेत्र में मंगल बाजार मुख्य हाईवे पर दो रोडवेज बसों में टक्कर हो गई। जिसमें 15 यात्री घायल हो गए। इनमें से पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। जिन्हें इलाज के लिए जिला अस्पताल भेजा गया है।

सुबह मंगल बाजार के पास खड़ी बस में पीछे से आ रही बस ने टक्कर मार दी, जिसमें पांच गंभीर रूप से घायल हैं। जिन्हें इलाज के लिए जिला अस्पताल भेजा गया है। क्षेत्राधिकारी ने बताया गया कि 31 को सूचना प्राप्त हुई कि 11.15 बजे थाना गगहा क्षेत्रान्तर्गत मंगल बाजार मेन हाईवे पर दो रोडवेज बसों की आपस में टक्कर हो गई। इस सूचना पर घटना स्थल पर पहुंचने पर मालूम हुआ कि गोरखपुर की तरफ आ रही एक रोडवेज बस 10 सवारी उतार रही थी, उसी समय पीछे से एक रोडवेज बस पीछे से आई और खड़ी बस में टक्कर मार दी।

इंजीनियर राशिद को बजट सत्र में शामिल होने के लिए नहीं मिली बेल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के बारामूला निर्वाचन क्षेत्र से निर्दलीय सांसद शेख अब्दुल रशीद तिहाड़ जेल में कथित दुर्व्यवहार के विरोध में आज से अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल का ऐलान किया है।

राशिद की पार्टी अवामी इत्तेहाद पार्टी) के नेता भी श्रीनगर के प्रताप पार्क में अपने नेता के साथ एकजुटता दिखाने के लिए भूख हड़ताल करेंगे। इंजीनियर राशिद के नाम से मशहूर राशिद 2017 के आतंकी-फंडिंग मामले में गैरकानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम के तहत राष्ट्रीय जांच एजेंसी द्वारा गिरफ्तारी के बाद 2019 से जेल में बंद है। 22 जनवरी को राशिद ने दिल्ली हाई कोर्ट में एक याचिका दायर कर अपनी जमानत याचिका पर फैसला लेने की मांग की।

'सिखों का अपमान कर रही हरियाणा सरकार'

राम रहीम को बार-बार मिल रही पैरोल को लेकर भड़क गया अकाल तख्त

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। अकाल तख्त के जत्थेदार ज्ञानी रघबीर सिंह ने डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम रहीम को बार-बार पैरोल देने पर हरियाणा सरकार की कड़ी आलोचना की और इसे सिखों का अपमान और न्याय के लिए खतरा बताया।

सिंह ने सरकार पर दोषी अपराधी को पैरोल की अनुमति देकर सिखों के साथ दोयम दर्जे के नागरिक के रूप में व्यवहार करने का आरोप लगाया, जबकि

सिख कैदियों को उनकी सजा पूरी करने के बावजूद दशकों तक जेल में रखा। राजनीतिक कारणों से सरकार द्वारा डेरा प्रमुख को बार-बार रिहा करना कानून पर विश्वास को खत्म कर रहा है। उन्होंने कहा कि सिख कैदी सलाखों के पीछे हैं, बलात्कार और हत्या के दोषी एक व्यक्ति को कई बार पैरोल दी जा रही है।

जत्थेदार ने कहा कि यह व्यवहार सिखों को अपने ही देश में अलग-थलग कर रहा है, जो भारत के लोकतंत्र के लिए शर्मनाक है। उन्होंने याद दिलाया कि सिखों ने भारत की आजादी के लिए महत्वपूर्ण बलिदान दिया है और उनके साथ गलत व्यवहार नहीं किया जाना चाहिए।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **संजय शर्मा** द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। **महाराष्ट्र कार्यालय**:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com |
website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।